गुस्ताखी माफ

शिक्षा के कर्तव्य से, भाग रही सरकार।
उस पर है बनवा दिया, शिक्षा को व्यापार।
शिक्षा को व्यापार, निजी हाथों में देकर।
डिग्री अब दे रहे, फीस मोटी ये लेकर।
कह साहिल कविराय, मांगनी पड़ती भिक्षा।
नहीं दिलाती काम, खर्च करवाती शिक्षा।

– डॉ. राजेन्द्र साहिल

RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

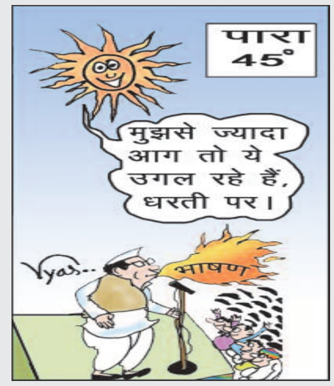

VOL: 11 | ISSUE 107 | TUESDAY 28-04-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

धार्मिक यात्रा या ठगी का खेल ? अंदरूनी विवाद से खुली पोल, धन्नासेठों की आस्था की आड़ में हुआ सालाना 1.5 करोड़ का खेल

- पॉश लाइफस्टाइल ने खोली पोल

धन्नासेठों पर भी उठ रही उंगलियाना

लुधियाना/यूटर्न/27 अप्रैल। धार्मिक आस्था को लेकर पिछले कई वर्षों से किए गए विदेशी टूरों की आढ़ में धन्नासेठों से कुछ धार्मिक स्थलों और संस्थाओं के साथ जुड़े पदाधिकारियों द्वारा ठगी मारने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। मिडिया सुर्खियों में आने के बाद यह विवाद सोमवार को पूरा दिन चचाओं में बना रहा । इस मामले में कई चौंकाने वाली कई दिलचस्प चचाएं सुनने को मिली। चचाएं हैं कि धर्मिक आस्था के नाम पर ठगी का खेल पिछले 10-15 साल से चल रहा है । जिसकी पहले किसी को कानों कान खबर नहीं लगी। लेकिन जैसे ही ऑर्गनाइजर्स की आपस में बिगड़ी तो कुछ ऑर्गनाइजर्स ने भेद खोल डाले। यानि कि घर के भेदी ने ही लंका ढाह दी। इसमें सबसे बड़ी बात यह निकलकर सामने आई है कि हर साल इस टूर पैकेज की आड़ में धन्नासेठों के साथ 1.50 करोड़ तक की ठगी की जाती थी। यानि कि टूर का टूर हो गया और कमाई की कमाई। शहर के कुछ प्रमुख लोगों ने धर्म की आड में मोटी कमाई का साधन बना रखा था। इस विवाद के सामने आने के बाद सभी अपने साथियों को ठग और शक की नजर से देख रहे हैं। लेकिन देखना होगा कि क्या धन्नासेठों को ठगी का शिकार बनाने वाले ठगों पर एक्शन होगा जा नहीं।

बड़े बड़े धन्नासेठों पर भी फ्री ट्रिप मामले में उठ रही उँगलियाँ

चर्चा है कि इस टूर पैकेज में ऑर्गनाइजर्स और मौका प्रस्तों द्वारा बड़े बड़े ऑफर भी दिए जाते थे। जिसमें अगर कोई व्यक्ति 3 से 4 लोगों की टूर बुकिंग कराता था, तो उक्त एक व्यक्ति को फ्री ट्रिप मिलता था। इसी की आड में कइयों ने अपने रिश्तेदारों, दोस्तों और करीबियों की बुकिंग करवा टूर पर ले गए। लेकिन अब खुलासा हुआ कि अपनों के पैसे लगवाकर कई लोग खुद फ्री घूमते रहे । जिसके चलते सोमवार को धन्ना सेठ भी अपने सहयोगी धन्ना सेठों को फ्री टूर वाले की नजर से समझते रहे ये बात और है की किसी ने किसी को मुँह पर कुछ नहीं किया लेकिन फ्री में मौज करने वालों को लेकर खूब चुस्कियां ली गई। इससे बड़े बड़े धन्नासेठ शक के दायरे में आ चुके हैं। जिसके चलते कई तो अपने रिश्तेदारों को सफाइयों देने में लगे हैं।

धार्मिक टूर की आढ़ में करोड़ों की कमाई

बेशक कुछ लोगों के लिए यह धार्मिक टूर था। लेकिन ऑर्गनाइजर्स के लिए यह करोड़ों की कमाई का पैकेज बना हुआ था। दरअसल, हर साल करीब 150 लोग, जिसमें कपल भी शामिल होते थे, वह टूर पर जाते थे। प्रति व्यक्ति ढ़ाई लाख रुपए तक देने पड़ते थे। जबकि अब ऑर्गनाइजर्स के साथी रहे अशोक गुप्ता ने पोस्ट शेयर कर टूर पैकेज 1.60 लाख का बताया। जिसके चलते खुलासा हुआ कि यह टूर ढ़ाई नहीं बल्कि डेढ़ लाख का था। ऐसे में हर साल प्रति व्यक्ति 1 लाख रुपए तक आयोजक कमाई करते थे। जिसके मुताबिक डेढ़ करोड़ रुपए की ठगी हो रही थी। जिसे बाद में ऑर्गनाइजर्स आपस में बांट लेते थे।

चोर चोरी से जाए, हेराफेरी से न जाए

चर्चा है कि इस खुलासे के बाद अब आयोजकों से लोगों ने दूरी बनानी शुरू कर दी है। हालात यह है कि उक्त आयोजक अब किसी दूसरे धार्मिक समागम में भी जाते हैं तो लोगों द्वारा वहां पर भी यह सोचा जा रहा है कि कहीं यहां कोई ठगी न हो जाए। लोग लगातार दोबारा ठगे जाने के डर से पीछे हट रहे हैं। लोगों में चर्चा है कि चोर चोरी से जाए, लेकिन हेराफेरी से न जाए जैसे हालात हो चुके हैं।

शहर की पॉश कॉलोनियों में बना डाले घर

वहीं चर्चा है आयोजकों के इन टूर से पहले घर आम थे। लेकिन अब उनके घर शहर की पॉश कॉलोनियों में बन गए हैं। वहीं उनके पास लग्जरी कारें तक आ चुकी हैं। इस चीज को देखकर शहर में चर्चा है कि आयोजकों द्वारा लोगों से की ठगी के बाद ही उक्त लग्जरी लाइफ बनाई गई है। इसके अलावा भी कई तरह की चचाएं शहर में चल रही हैं।

हिमाचल में 47 दवाइयां के सैंपल फेल पंजाब में नहीं अलर्ट पर, आरटीआई एक्टिविस्ट ने पूछे कई अहम सवाल

अशोक सहगल

लुधियाना/यूटर्न/27 अप्रैल। 2 दिन पहले यू टर्न में प्रकाशित उपरोक्त विषय पर समाचार के संदर्भ में एक आरटीआई एक्टिविस्ट ने ड्रग लाइसेंस अथॉरिटी से कई अहम सवाल पूछे हैं गौतम गौर तलब है कि देश में कुछ दिन पहले बीपी शूगर सहित खतरनाक बीमारियों की दवाइयों के सैंपल फेल होने की चौंकाने वाली बात सामने आई है। दरअसल, सिर दर्द, पेट दर्द, बीपी, शूगर सहित 141 दवाइयों के सैंपल फेल हो गए हैं। सबसे हैरानी की बात ये है कि इनमें से 47 दवाएं हिमाचल प्रदेश के बद्दी, बरोटीवाला, नालागढ़, कालाअम्ब, ऊना और सोलन में बनी है। उल्लेखनीय है कि दवाइयां के सैंपल पहले भी कई बार फेल हो चुके हैं परंतु लुधियाना के ड्रग विभाग की सेहत पर इसका कोई फर्क नहीं पड़ता ना ही कोई अधिकारी इनसे पूछता है दूसरी और हिमाचल में से हाई अलर्ट पर लिया है

आरटीआई एक्टिविस्ट के अनुसार

शहर के एक आरटीआई एक्टिविस्ट ने जितेंद्र सिंह शंटी, मेंबर पंजाब स्टेट ह्यूमन राइट्स कमीशन को पत्र लिखकर जोनल लाइसेंसिंग अथॉरिटी के ऑफिस के बारे में शिकायत की है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली दवाओं और दूसरे फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट्स के सही संख्या में सैंपल नहीं ले रहे हैं। यह मामला सीधे तौर पर उन सभी मरीजों की ज़िंदगी और आजादी से जुड़ा है जो दवाएं और दूसरे फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट्स ले रहे हैं और इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस लेटर के जरिए आपका ध्यान इस ओर दिलाना चाहता है कि शहर की आबादी लगभग 20 लाख है और लुधियाना (पंजाब) में हजारों मेडिकल स्टोर हैं जो दवाएं और दूसरे फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट्स बेच रहे हैं। सिविल सर्जन ऑफिस के जोनल लाइसेंसिंग अथॉरिटी ऑफिस की यह ड्यूटी है कि वह दवाओं और दूसरे फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट्स के काफी सैंपल ले, ताकि रेगुलर चेकिंग, मॉनिटरिंग हो और यह पक्का हो सके कि मेडिकल स्टोर पर बेची जा रही दवाएं और दूसरे फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट्स, दवाओं पर लिखी तय क्वालिटी, स्टैंडर्ड और स्पेसिफिकेशन के हिसाब से हों और नियमों के हिसाब से हों, क्योंकि ये दवाएं और दूसरे फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट्स मरीज इस्तेमाल कर रहे हैं, इसलिए ये दवाएं और दूसरे फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट्स सीधे मरीजों की ज़िंदगी और आजादी से जुड़े हैं उन्होंने कहा कि शहर की आबादी बहुत ज्यादा है और इसलिए शहर में हजारों मेडिकल स्टोर हैं। लेकिन, इसके उलट काम करते हुए, लुधियाना शहर की आबादी और लुधियाना शहर में हजारों मेडिकल स्टोर्स को देखते हुए, जोनल लाइसेंसिंग ऑफिस अथॉरिटी, दवाइयों और दूसरे फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट्स के बहुत कम सैंपल ले रही है। यह ऑफिस ऑफ द जोनल लाइसेंसिंग अथॉरिटी, लुधियाना की ड्यूटी है कि वह पक्का करे कि लुधियाना शहर के मेडिकल स्टोर्स पर बेची जा रही दवाइयाँ और दूसरे फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट्स, दवाइयों पर लिखी तय क्वालिटी, स्टैंडर्ड और स्पेसिफिकेशन के हों। यह तभी पक्का हो सकता है जब ऑफिस ऑफ द जोनल लाइसेंसिंग अथॉरिटी, लुधियाना दवाइयों और दूसरे फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट्स के सही संख्या में सैंपल लेगा।

इसलिए, इंसाफ के हित में, आपसे रिक्वेस्ट है कि ऑफिस ऑफ द जोनल लाइसेंसिंग अथॉरिटी, लुधियाना से डेटा, रिपोर्ट मांगी जाए कि पिछले 2 सालों में उन्होंने दवाइयों और दूसरे फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट्स के कितने सैंपल लिए हैं और उसका डेटा, रिपोर्ट महीने के हिसाब से मांगी जाए ताकि फैक्ट्स सामने आ सकें।

डीसी दफ्तर बाहर भाजपा का हल्ला बोल प्रदर्शन, 5 मुद्दों पर सरकार को घेरा

लुधियाना/यूटर्न/27 अप्रैल। भाजपा लीडरों की और से सोमवार को लुधियाना डीसी ऑफिस के बाहर आप सरकार के खिलाफ हल्ला बोल प्रदर्शन किया। उन्होंने मान सरकार को पांच मुद्दों पर घेरा। महिला सुरक्षा को लेकर भजापा ने पंजाब सरकार पर गंभीर लगाए। भाजपा के जिला प्रधान रजनीश धीमान व प्रदेश महासचिव अनिल सरीन ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार प्रदेश में महिलाओं को सुरक्षा देने में नाकाम है और उनके नेता ही महिलाओं पर अत्याचार कर रहे हैं। लोगों की जमीनें पर कब्जा कर रहे हैं। जिला प्रधान रजनीश धीमान पंजाब में बढ़ती रंगदारी व फायरिंग की घटनाओं को लेकर विपक्ष लगातार सरकार को घेर रहा है। उन्होंने कहा कि आए दिन लोगों को धमकियां आ रही हैं। पुलिस के डीजीपी तक को धमकी आ गई है तो और कैसे सेफ रहेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार गैंगस्टरों पर कार्रवाई करने में पूरी तरह से नाकाम रही है। रजनीश धीमान का कहना है कि सरकार में भ्रष्टाचार फैल चुका है। उन्होंने कहा कि सरकारी दफ्तारों से लेकर सरकार के विधायकों तक भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। सरकार के मंत्रियों और विधायकों पर गंभीर आरोप लगे हैं लेकिन सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की।उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार का आलम यह है कि विधायक और मंत्री ही लोगों से रिश्वत ले रहे हैं। हाल ही में मंत्री पर उनकी ही पार्टी के वॉलंटियर की जमीन दस्तावेज क्लीयर करवाने के बदले 5 लाख रुपए लेने का आरोप लगा है। इससे पहले एक पूर्व सरपंच ने 30 लाख रुपए लेकर टिकट देने का आरोप लगाया है।

महिला ने पूरी जिंदगी की कमाई इकट्ठी कर घर का किया सौदा, लैंड माफिया गैंग ने कर डाली 54 लाख की ठगी, छह नामजद

समाजसेवी कहे जाने वाले संदीप लुधियाना की पत्नी भी है आरोपी

लुधियाना/यूटर्न/27 अप्रैल। लुधियाना में एक प्रॉपर्टी डीलर महिला द्वारा अपनी पूरी जिंदगी की कमाई इकट्ठी कर घर खरीदने के लिए सौदा किया। लेकिन लैंड माफिया गिरोह द्वारा उक्त महिला को झांसे में फंसाकर 54 लाख रुपए की ठगी मार ली। इस मामले में छह महीने पुलिस थानों के चक्कर लगाती रही, लेकिन पुलिस ने सुनवाई नहीं की। जिसके बाद पीड़िता ने कोर्ट का रुख किया। कोर्ट के आदेशों पर पहले चार और अब दो अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। इस पूरे मामले में समाजसेवी कहे जाते संदीप लुधियाना की पत्नी भी आरोपी है। यह मामला थाना डिवीजन नंबर सात की पुलिस ने चंडीगढ़ रोड सेक्टर-32ए की सरीता तिवारी की शिकायत पर सेक्टर-32ए की कुसुम थोर, उसके बेटे अनमोल थोर, बेटी आस्था थोर, दादी सुनीता रानी, गुरमेल पार्क की शन्नो और अंकुश चौपड़ा के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

हीटवेव के बीच राहतः पंजाब में बिजली संकट नहीं, मंत्री का भरोसा

चंडीगढ़/यूटर्न/27 अप्रैल। भीषण गर्मी के बीच बढ़ती बिजली मांग को लेकर राहत की खबर है। पंजाब के बिजली मंत्री Sanjeev Arora ने कहा कि राज्य सरकार और Punjab State Power Corporation Limited (PSPCL) पूरी तरह तैयार हैं और लोगों को निर्बाध बिजली आपूर्ति देने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

पिछले 10 दिनों में बिजली की मांग 7,900 मेगावाट से बढ़कर 12,000 मेगावाट से अधिक पहुंच गई है, लेकिन इसके बावजूद ग्रिड स्थिर बना हुआ है। मंत्री ने बताया कि 'मिशन रोशन पंजाब' के तहत 6,000 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च कर बिजली ढांचे को मजबूत किया गया है, जिससे अनियोजित बिजली कटौती में करीब 70% की कमी आई है। जनहित के लिहाज से सरकार ने अतिरिक्त बिजली की व्यवस्था भी की है। अन्य राज्यों से 1,500-2,000 मेगावाट बिजली बैंकिंग के जरिए लेने की प्रक्रिया जारी है, जबकि केंद्र के पावर पूल से भी 2,000 मेगावाट बिजली प्राप्त करने की तैयारी है। साथ ही, निजी स्रोतों से खरीद और अल्पकालिक टेंडर के जरिए आपूर्ति बढ़ाई जा रही है। उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए रात 6 बजे से सुबह 6 बजे तक व्हीलिंग चार्ज और क्रॉस सब्सिडी में छूट दी गई है। मंत्री ने आश्वासन दिया कि घरेलू, कृषि और औद्योगिक सभी उपभोक्ताओं को गर्मियों में बिना रुकावट बिजली उपलब्ध कराने के लिए टीमें दिन-रात काम कर रही हैं।

'अपफ्रंट फीस' पर फिको का विरोध, नई औद्योगिक नीति 2026 पर उठाए सवाल

चंडीगढ़/लुधियाना/यूटर्न/27 अप्रैल। Federation of Industrial & Commercial Organisation (FICO) ने 'इन्वेस्ट पंजाब' के तहत नई औद्योगिक नीति 2026 में लागू 'अपफ्रंट फीस' का कड़ा विरोध किया है। संगठन ने इसे उद्योगों के लिए अनुचित और निवेश के रास्ते में बाधा बताया है।

नई नीति के अनुसार, किसी भी उद्यमी को रजिस्ट्रेशन के समय अपनी स्थिर पूंजी निवेश का 0.50% 'अपफ्रंट फीस' के रूप में जमा करना होगा। फिको के प्रधान Gurmeet Singh Kular ने कहा कि यदि कोई उद्योगपति ₹20 करोड़ का निवेश करता है, तो उसे ₹10 लाख अग्रिम शुल्क देना पड़ेगा, जो नए निवेशकों को हतोत्साहित करेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री Bhagwant Singh Mann और उद्योग मंत्री Sanjeev Arora से इस फैसले की समीक्षा कर इसे वापस लेने की मांग की। फिको के आयोजन सचिव Ashpreet Singh Sahni ने कहा कि यह नियम पुराने उद्योगों पर भी लागू किया जा रहा है, जो पहले की नीति से नई नीति में स्थानांतरित होना चाहते हैं, जिससे उन पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। संगठन ने Punjab Small Industries & Export Corporation (PSIEC)की 'वन टाइम सेटलमेंट' स्कीम पर भी सवाल उठाए और 'लीजहोल्ड' से 'फ्रीहोल्ड' में बदलाव के दौरान दोहरे भुगतान को गलत बताया। फिको ने सरकार से इन प्रावधानों की समीक्षा कर उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल बनाने की अपील की।

CICU में "Excel + AI" ट्रेनिंग, उद्योगपतियों को डिजिटल स्किल्स से किया सशक्त

लुधियाना/यूटर्न/27 अप्रैल। Chamber of Industrial & Commercial Undertakings (CICU) ने फोकल प्वाइंट स्थित अपने परिसर में "Excel + AI for Industrialists" विषय पर एक उपयोगी प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में उद्योगपति, फैक्ट्री मालिक, व्यापारी और पेशेवर बड़ी संख्या में शामिल हुए, जो डिजिटल युग में अपनी कार्यक्षमता बढ़ाने के इच्छुक हैं। सत्र का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को उन्नत एक्सेल टूल्स और Artificial Intelligence के समन्वय से व्यवसायिक प्रक्रियाओं को सरल, तेज और प्रभावी बनाने की जानकारी देना था। प्रशिक्षण का संचालन डिजिटल मार्केटिंग रणनीतिकार व एआई वर्कफ्लो विशेषज्ञ Tarneet Singh Chawla ने किया। उन्होंने 25 से अधिक महत्वपूर्ण एक्सेल फॉर्मूलों, बिजनेस मैनेजमेंट सिस्टम के निर्माण और एआई आधारित Copilot के उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को स्मार्ट एक्सेल टेम्पलेट बनाने, ऑटोमेशन वर्कफ़्लो लागू करने और दैनिक कार्यों में एआई के उपयोग का व्यावहारिक अनुभव भी मिला। सत्र को इसकी इंटरैक्टिव शैली और वास्तविक उदाहरणों के कारण काफी सराहा गया।

CICU के महासचिव Honey Sethi ने कहा कि संस्था अपने सदस्यों को आधुनिक तकनीकों से लैस करने के लिए लगातार ऐसे कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी, ताकि उद्योग जगत प्रतिस्पर्धा में आगे रह सके। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों की सकारात्मक प्रतिक्रिया के साथ हुआ।

समय से पहले डेंगू ने दिखाया प्रकोप 350 से अधिक मरीज आये सामने

स्वास्थ्य विभाग ने कहा हम नहीं मानते, सिर्फ एक मरीज आया पॉजिटिव

सहगल

लुधियाना/यूटर्न/27 अप्रैल। सन 2015 की तरह बेमौसमी बरसात के कारण फरवरी-मार्च में डेंगू के मामले सामने आने लगे और धीरे-धीरे इनकी संख्या बढ़ने लगी जॉब 350 मरीजो के पार हो चुकी है परंतु स्वास्थ्य विभाग है कि मानने को तैयार ही नहीं अधिकारियों का कहना है की अब तक एक ही मरीज में डेंगू पॉजिटिव आया है शेष सब तो शंका के घेरे में है अगर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी सही कह रहे हैं तो वह अस्पतालों के विरुद्ध एक्शन क्यों नहीं लेते जो मरीजों में डेंगू पॉजिटिव बात कर उन्हें कई दिन अस्पताल में भर्ती रखते हैं क्या अस्पताल प्रबंधकों के कहना कि यह स्वास्थ्य विभाग का हर वर्ष का काम है हमारे यहां मरीज पॉजिटिव आता है और लक्षणों के आधार पर उसका डेंगू बांधकर ही उपचार किया जाता है उसके बाद वह ठीक होकर घर चला जाता है।

नगर निगम से तालमेल में कमी

मलेरिया और डेंगू के प्रकोप पर काबू पाने के लिए स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम के साथ-साथ अन्य विभागों को भी मिलजुल कर काम करने को कहा जाता है परंतु स्वास्थ्य विभाग नगर निगम सभी तालमेल नहीं रख पाता हर बार बीमारी बढ़ने पर जिलाधीश को एक विशेष मीटिंग बुलाकर सभी को परस्पर सहयोग से काम करने को कहा जाता है इस बार भी बीमारी के महामारी बनने का इंतजार किया जा रहा है।

स्वास्थ्य निदेशक के निर्देश रह जाते हैं हवा में

हर वर्ष किसी महामारी के आगमन के अवसर पर उससे बचाव के लिए स्वास्थ्य निदेशक द्वारा कई तरह के निर्देश देकर अधिकारियों को उस पर काम करने को कहा जाता है जिसमें सभी सरकारी व गैर-सरकारी अस्पतालों को निर्देश जारी कर हर संदिग्ध मरीज का सैंपल भी सिविल अस्पताल में जांच के लिए भेजने को कहा जाता है। लोगों का कहना है कि सभी विभागों को इस मुहिम में शामिल करने तथा उचित प्रबंधों के लिए जिलाधीश की अध्यक्षता में तुरन्त बैठक बुलाई जाए।

स्वास्थ्य विभाग को है इसके कई फायदे

डेंगू के मरीज सामने आने पर उसे संदिग्ध करार देने के बाद ना तो कोई सर्वे करना पड़ता है ना ही स्प्रे, बस हेड ऑफिस रिपोर्ट भेजनी होती है कि सब ठीक-ठाक है इससे मैनपावर की समस्या भी अपने आप सुलझ जाती है और छिड़काव करने वाली दवाइयां का खर्चा भी नहीं होता इससे उच्च अधिकारी भी काफी खुश रहते हैं और कहते हैं की स्थिति कंट्रोल में है परंतु हालत तब विस्फोटक हो जाते हैं जब स्वास्थ्य विभाग की लापरवाहियों के कारण साधारण रोग भी महामारी में बदल जाता है तब यह कहा जाता है कि हमने तो लोगों को जागरूक किया परंतु लोगों ने सहयोग नहीं किया।

कैसे करें प्रबन्ध

- स्वास्थ्य निदेशक द्वारा सभी सिविल अस्पतालों तथा प्राइमरी हैल्थ सैंटरों में अलग से डेंगू वार्ड बनाने तथा वार्ड में मच्छर दानियों के प्रबंध करने को कहा जाता है।
- डेंगू के मरीजों के लिए अलग से वार्ड का प्रबन्ध हो।
- किसी क्षेत्र में डेंगू का संदिग्ध मरीज भी सामने आता है तो आटोमोल्जिकल सर्वे कराया जाए, दवा का छिड़काव कराया जाए और रिपोर्ट तुरन्त उन्हें भेजी जाए।
- डेंगू के पुष्ट मरीजों के उपचार के साथ उसके घर के आसपास आवश्यक कदम उठाए जाएं। आसपास के घरों में स्प्रे कराने के अलावा मरीज की पूर्व व वर्तमान इतिहास (डेंगू बुखार सम्बन्धी) जानकारी एकत्रित की जाए।

नगर परिषद चुनाव: अकाली दल ने फूंका चुनावी बिगुल

जगरांव के वार्ड नंबर 9 से नरेंदरजीत कौर के नाम का ऐलान

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/27/अप्रैल। नगर परिषद चुनावों की आधिकारिक घोषणा से पहले ही शिरोमणि अकाली दल (रअऊ) पूरी तरह चुनावी मोड में नजर आ रहा है। पार्टी ने अपनी रणनीतिक बढ़त बनाते हुए आज जगरांव में अपने दूसरे उम्मीदवार के नाम की घोषणा कर दी है। वार्ड नंबर 9 से नरेंदरजीत कौर मैदान में:- अकाली दल ने वार्ड नंबर 9 (अगवाड़ लुधाई, रानी वाला खूं) से समाज सेवी सतनाम सिंह की धर्मपत्नी बीबी नरेंदरजीत कौर को अपना उम्मीदवार घोषित किया है।

भारी जनसमूह के बीच हुई घोषणा...वार्ड नंबर 9 में आयोजित एक विशाल जनसभा के दौरान मोहल्ला निवासियों और विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में बीबी नरेंदरजीत कौर के नाम का प्रस्ताव रखा गया। जनसमूह की सर्वसम्मति के बाद हलका इंचार्ज एस.आर. क्लेर ने आधिकारिक तौर पर उनके नाम की घोषणा की। इस दौरान कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा गया और 'शिरोमणि अकाली दल जिंदाबाद' के नारों से पूरा इलाका गूंज उठा। जनता की समस्याओं का प्राथमिकता से होगा समाधान: नरेंदरजीत कौर उम्मीदवार घोषित होने के बाद बीबी नरेंदरजीत कौर ने जनता को संबोधित करते हुए कहा: ?वार्ड नंबर 9 के निवासी लंबे समय से बुनियादी सुविधाओं के अभाव में नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। मेरी प्राथमिकता इस वार्ड की दशकों पुरानी समस्याओं को जड़ से खत्म करना और विकास को हर घर तक पहुंचाना होगा।

अकाली दल की चुनावी रणनीति...पूर्व विधायक और हलका इंचार्ज एस.आर. क्लेर ने कहा कि अकाली दल ने चुनाव का बिगुल बजा दिया है। उन्होंने बताया कि: वार्ड नंबर 8 से पहले ही शंकर के नाम की घोषणा की जा चुकी है। वार्ड नंबर 9 से आज बीबी नरेंदरजीत कौर को मैदान में उतारा गया है। आगामी कुछ दिनों में बाकी वार्डों के उम्मीदवारों का भी ऐलान कर दिया जाएगा।

प्रमुख हस्तियों की रही मौजूदगी...इस मौके पर पूर्व उपाध्यक्ष दविंदरजीत सिंह सिद्धू, चौधरी नछत्तर सिंह सहोता, सुखदेव सिंह, मनजिंदर सिंह मोपी, जसमेल सिंह सहोता, लखवीर सिंह सहोता, जागीर सिंह लक्खा और बड़ी संख्या में स्थानीय नेता व वार्ड निवासी मौजूद रहे।

अमनप्रीत अरोड़ा को नई दिल्ली में जीएसएलसी एकेडलाइट अवार्ड्स 2026 में ईडालका एजूएलकोन अवार्ड मिला

लुधियाना/यूटर्न/27 अप्रैल। लुधियाना, एबीसी मैजिकल वर्ल्ड प्रीस्कूल गर्व से घोषणा करता है कि उसके फाउंडर और सीईओ कॉल, अमनप्रीत सिंह अरोड़ा को नई दिल्ली में हुए जीएसएलसी एकेडलाइट अवार्ड्स 2026 में प्रतिष्ठित एजूएलकोन अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह इवेंट ग्लोबल स्कूल लीडर्स कंसोर्टियम ने आयोजित किया था, जो शिक्षा में बेहतरीन काम और इनोवेशन का जश्न मनाने वाली एक जानी-मानी संस्था है। कुछ एंटरप्रेन्योर बिजनेस बनाते हैं। कुछ ऐसी नींव बनाते हैं जो पीढ़ियों को आकार देती है। यह खास पहचान शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन लीडरशिप और बदलाव लाने वाले योगदान का जश्न मनाती है।

लिव-इन में रह रहीं दो युवतियों को हाईकोर्ट से राहत, पुलिस को सुरक्षा देने के आदेश

चंडीगढ़/यूटर्न/27 अप्रैल। पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट ने लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहीं दो बालिग महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के निर्देश जारी करते हुए पुलिस प्रशासन को उनके जीवन और स्वतंत्रता की रक्षा सुनिश्चित करने का आदेश दिया है। जस्टिस मनदीप पन्नू की पीठ ने यह आदेश उस याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया, जिसमें दोनों महिलाओं ने अपने परिवारों से जान का खतरा होने की आशंका जताई थी। याचिकाकर्ताओं ने अदालत को बताया कि वे अपनी मर्जी से साथ रह रही हैं, लेकिन परिवार के विरोध के कारण उन्हें लगातार धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। अदालत ने आधार कार्ड सहित पेश दस्तावेजों के आधार पर माना कि दोनों महिलाएं बालिग हैं और अपने जीवन से जुड़े फैसले लेने के लिए स्वतंत्र हैं। साथ ही यह भी सामने आया कि 16 अप्रैल 2026 को संबंधित पुलिस अधिकारियों को शिकायत दी गई थी, लेकिन उस पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इस पर हाईकोर्ट ने लुधियाना जिले के खन्ना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को तत्काल कार्रवाई कर दोनों महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह आदेश उनके संबंध की वैधता पर टिप्पणी नहीं है, बल्कि केवल संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिले जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा के लिए पारित किया गया है। कोर्ट ने कहा कि बालिग व्यक्तियों को अपनी पसंद के साथी के साथ रहने का पूरा अधिकार है और इस अधिकार में अनावश्यक हस्तक्षेप स्वीकार नहीं किया जा सकता। हालांकि, यदि किसी आपराधिक मामले में संलिप्तता पाई जाती है, तो कानून के अनुसार कार्रवाई की जा सकती है।

नंबर प्लेट के साथ छेड़छाड़ व बिना दस्तावेज वाली बाइक का 22500 का चालान, बाइक जब्त

पंचकूला/यूटर्न/27 अप्रैल। पंचकूला में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से ट्रैफिक पुलिस द्वारा नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जा रहा है। विशेष रूप से ऐसे वाहन चालकों पर कड़ी नजर रखी जा रही है जो नंबर प्लेट के साथ छेड़छाड़ कर पुलिस की निगरानी से बचने की कोशिश करते हैं। इस अभियान के तहत पुलिस न केवल ऐसे मामलों की पहचान कर रही है, बल्कि नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई भी सुनिश्चित कर रही है, ताकि आम

जनता में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना बढ़ सके।

इसी क्रम में आज माजरी चौक के पास सिटी ट्रैफिक एसएचओ वरिन्द्र कुमार की अगुवाई में टीम द्वारा चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध बाइक को रोका गया। जांच के दौरान पाया गया कि बाइक की नंबर प्लेट के साथ छेड़छाड़ की गई थी, जिससे उसकी पहचान छुपाने का प्रयास किया गया था। इतना ही नहीं, वाहन चालक के पास आवश्यक दस्तावेज भी मौजूद नहीं थे। उसके पास न तो ड्राइविंग लाइसेंस था, न ही वाहन का रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट, न बीमा और न ही प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र (पीयूसी)। यह सभी उल्लंघन पाए जाने पर पुलिस ने संबंधित चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए 22,500 रुपये का चालान किया और वाहन को मौके पर ही इंपाउंड कर लिया। इस संबंध में डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक अमरिंदर सिंह ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि सभी वाहन चालक यातायात नियमों का पालन करें और अपने वाहन के सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखें। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ भविष्य में भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि नंबर प्लेट के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ कर पुलिस की नजरों की बेचने की कोशिश न करें व बेहतर यातायात व्यवस्था बनाने में पुलिस का सहयोग करें।

पंचकला में 1.05 करोड़ हेरोइन के साथ राज्य स्तरीय कबड्डी खिलाड़ी गिरफ्तार, आरोपी के खिलाफ पूर्व में धोखाधड़ी व हत्या की कोशिश का मामला भी दर्ज

पंचकूला पुलिस ने 4 महीनों मे 37 मामलें दर्ज कर 58 नशा तस्करों को पहुंचाया सलाखों के पीछे, जिसमें 18 मुख्य सप्लायर भी शामिल

वाणिज्यिक मात्रा के 10 और मध्यम मात्रा के 27 मामलें हुए दर्ज, 8.85 करोड़ का नशा किया जब्त

अजीत झा

पंचकूला/यूटर्न/27 अप्रैल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के 'नशा मुक्त प्रदेश' की नीति को हकीकत में बदलने के लिए हरियाणा पुलिस अब एक निर्णायक युद्ध के मोड में नजर आ रही है। प्रदेश को नशे की दीमक से बचाने के संकल्प को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए डीजीपी हरियाणा अजय सिंघल के कुशल मार्गदर्शन में पूरे प्रदेश में नशा तस्करों के विरुद्ध एक बेहद ठोस और रणनीतिक 'क्लीन-अप' अभियान चलाया जा रहा है।

इसी मुहिम को धरातल पर प्रभावी बनाने के लिए पंचकूला के पुलिस कमिश्नर (एडीजीपी) शिवास कविराज ने कड़ा रुख अपनाते हुए जिले की सभी पुलिस इकाइयों को एकजुट होकर नशा माफियाओं की जड़ें खोदने के स्पष्ट निर्देश दिए थे।

इसी क्रम में, 23 अप्रैल को क्राइम ब्रांच सेक्टर-26 की टीम को एक बड़ी सफलता हाथ लगी। गुप्त सूचना के आधार पर इंचार्ज दलीप सिंह की अगुवाई में टीम ने रायपुररानी-नारायणगढ़ रोड पर स्थित गांव प्यारेवाला के पास घेराबंदी की। यहाँ से पंजाब के जिला तरनतारन निवासी आरोपी रशपाल सिंह उर्फ लाली को उसकी महिंद्रा बोलेरो गाड़ी सहित दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसकी बोलेरो गाड़ी की ड्राइवर सीट के नीचे से 538 ग्राम हेरोइन बरामद की गई, जिसकी बाजार में अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ 5 लाख रुपये आंकी गई है। इस संबंध में थाना रायपुररानी में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 21c के तहत मामला दर्ज किया गया है।

एसीपी क्राइम ने प्रेस वार्ता के दौरान मामले का खुलासा करते हुए बताया कि आरोपी लंबे समय से नशा तस्करी के धंधे में संलिप्त है और पंजाब से हेरोइन लाकर पंचकूला क्षेत्र में सप्लाई करता था। आरोपी को 24 अप्रैल को अदालत में पेश कर 3 दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया गया था। आगे की पूछताछ के लिए दोबारा अदालत में पेश कर 4 दिन का रिमांड लिया गया है, ताकि उसके मुख्य सप्लायर तक पहुंचा जा सके। आरोपी पहले राज्य स्तर का कबड्डी खिलाड़ी भी रह चुका है और उसके खिलाफ पंजाब में दो आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें एक हत्या के प्रयास और दूसरा धोखाधड़ी से संबंधित है।

पुलिस के अनुसार आरोपी ने अपने मुख्य सप्लायर के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी है, जिसके आधार पर पुलिस टीम संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है। उम्मीद है कि जल्द ही इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक: वर्ष 2026 में अब तक 4 महीने से भी कम समय में एनडीपीएस एक्ट के तहत 37 मामले दर्ज कर 58 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें 18 मुख्य सप्लायर शामिल हैं। इस दौरान पुलिस ने वाणिज्यिक मात्रा के 10 और मध्यम मात्रा के 27 मामलों में कार्रवाई की है।

उन्होंने बताया कि इस अवधि में कुल 5 किलो 141 ग्राम हेरोइन, 27 किलो चूरा पोस्त, 6 किलो 296 ग्राम गांजा, 1 किलो 558 ग्राम चरस, 710 ग्राम अफीम तथा 40,200 नशीली प्रतिबंधित दवाएं बरामद की गई हैं, जिनकी बाजार में अनुमानित कीमत करीब 8 करोड़ 85 लाख रुपये है। इसके अलावा, तीन नशा तस्करों अमर सिंह (पिंजौर), सुल्तान (पंचकूला) और अभिषेक (उत्तर प्रदेश, हाल निवासी सेक्टर-14 पंचकूला) की नशे की कमाई से अर्जित संपत्तियों को बुलडोजर की मदद से ध्वस्त किया गया है। पुलिस द्वारा जागरूकता अभियानों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जनवरी से मार्च 2026 के बीच 81 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर 3699 लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया।

जीरकपुर में होटल पर छापा, देह व्यापार का भंडाफोड़; संचालक समेत 4 गिरफ्तार

जीरकपुर/यूटर्न/27 अप्रैल। शहर में अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक होटल में चल रहे देह व्यापार के धंधे का भंडाफोड़ किया है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने होटल संचालक समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया, जबकि तीन युवतियों को रेस्क्यू किया गया है।

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि लॉटरी बाजार के पीछे स्थित रिहायशी इलाके में एक होटल की आड़ में अनैतिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। सूचना के आधार पर जीरकपुर पुलिस ने टीम गठित कर होटल पर अचानक छापा मारा। कार्रवाई के दौरान मौके से आपत्तिजनक सामान बरामद किया गया और संदिग्ध हालात में मौजूद लोगों को हिरासत में लिया गया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रेस्क्यू की गई तीनों युवतियां बिहार और उत्तर प्रदेश की रहने वाली हैं। आरोप है कि उनसे जबरन देह व्यापार कराया जा रहा था। पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है कि कहीं इसके पीछे कोई बड़ा गिरोह या नेटवर्क तो सक्रिय नहीं है। पूछताछ में कई अहम सुराग हाथ लगे हैं, जिनके आधार पर अन्य संदिग्धों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार कार्रवाई से बचने के लिए होटल संचालकों ने पहचान छिपाने के उद्देश्य से होटल का बोर्ड तक हटा दिया था और गुप्त रूप से धंधा चलाया जा रहा था। लंबे समय से इलाके के लोगों की ओर से संदिग्ध गतिविधियों की शिकायतें भी मिल रही थीं।

मामले में गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है। साथ ही, होटल को सील करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि यदि जांच में मानव तस्करी या संगठित गिरोह के तार सामने आते हैं तो मामले में और गंभीर धाराएं जोड़ी जाएंगी।

शिअद बी.सी. विंग के प्रदेश अध्यक्ष हीरा सिंह गाबड़िया से मिले देहाती हलका इंचार्ज राजिंदर सिंह चंदी

शिव कौड़ा

फगवाड़ा/यूटर्न/27 अप्रैल। फगवाड़ा से शिरोमणि अकाली दल के देहाती हलका इंचार्ज रजिंदर सिंह चंदी ने शिरोमणि अकाली दल बी.सी. विंग के पंजाब प्रधान हीरा सिंह गाबड़िया से भेंट की इस दौरान उन्होंने फगवाड़ा हलके सहित पंजाब के राजनीतिक हालात के बारे में विचार-चर्चा किया। राजिंदर सिंह चंदी ने जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने हीरा सिंह गाबड़िया को बताया कि फगवाड़ा हलके के कई गांव बी.सी. वर्ग के गढ़ हैं और उन गांवों के मेहनतकश लोगों को बनता मान-सम्मान भी पार्टी द्वारा दिया गया है जिसमें बी.सी. समुदाय में बहुत ही सार्थक संदेश गया है चंदी ने यह भी बताया कि फगवाड़ा हलके के गांवों के बी.सी. वर्ग के लोगों ने डटकर शिरोमणि अकाली दल का साथ दिया और ब्लॉक समिति तथा जिला परिषद सीटें जिताने में भी बड़ा रोल निभाया। उन्होंने कहा कि फगवाड़ा हलके के गांवों में शिरोमणि अकाली दल अब लोकप्रियता के शिखर पर है हर वर्ग के लोग पंजाब में अगली सरकार के रूप में शिरोमणि अकाली दल को ही देखना चाहते हैं। हलका इंचार्ज चंदी के अनुसार फगवाड़ा हलके में जल्दी ही पंजाब प्रधान सुखबीर सिंह बादल की बड़ी रैली भी करवाई जाएगी, जो ऐतिहासिक होगी। हीरा सिंह गाबड़िया ने भी राजिन्द्र सिंह चंदी को इस भेंट के दौरान आश्वासन दिया कि वे फगवाड़ा हलके के गांवों में जल्दी दौरा करेंगे तथा वर्करों व पार्टी नेताओं के साथ बैठकों का दौर शुरू किया जायेगा।

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

पेज 12 शिक्षा क्रांति के दावों की खुली पोल, धर्मशाला की...

चंडीगढ़ में विकास को बड़ी रफ्तार: F&CC ने 14.71 करोड़ के 67 कार्यों को दी मंजूरी, रिकॉर्ड स्तर पर फैसले

चंडीगढ़/यूटर्न/27 अप्रैल। नगर निगम चंडीगढ़ की फाइनेंस एंड कॉन्ट्रैक्ट कमेटी ने शहर के विकास को नई गति देते हुए ₹1471 लाख (करीब ₹14.71 करोड़) के रिकॉर्ड 67 विकास कार्यों को मंजूरी दे दी। यह निर्णय मेयर सौरभ जोशी की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया, जिसे नगर निगम के इतिहास के सबसे बड़े अनुमोदनों में से एक माना जा रहा है। बैठक में नगर निगम आयुक्त अमित कुमार, पार्षद हरजीत सिंह, जसबीर सिंह बंटी, कंवरजीत सिंह, योगेश धींगरा समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक का मुख्य फोकस शहर में बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाना रहा।

इंफ्रास्ट्रक्चर और सिविक सुविधाओं पर बड़ा फोकस

कमेटी ने शहर के विभिन्न सेक्टरों और गांवों में सड़कों, फुटपाथों, पार्किंग और पावर ब्लॉक से जुड़े व्यापक कार्यों को मंजूरी दी। अटावा, हल्लोमाजरा और मौली जागरां जैसे क्षेत्रों में आंतरिक सड़कों और इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड किया जाएगा।

कम्युनिटी सेंटर और मार्केट होंगे मॉडर्न

सुंदर नगर, सेक्टर-49, 41, 43 और 56 के कम्युनिटी सेंटरों के नवीनीकरण को हरी झंडी मिली है। वहीं सेक्टर-7, 22 और 37-38 की मार्केट्स को डेकोरेटिव और एलईडी लाइटिंग से अपग्रेड किया जाएगा, जिससे बाजारों की खूबसूरती और सुविधाएं बढ़ेंगी।

स्मार्ट लाइटिंग और सड़क सुधार

सेक्टर-27 और 28 में पुराने स्ट्रीट लाइट पोल्स को बदलकर ऑक्टागोनल पोल लगाए जाएंगे। कई जगहों पर नई स्ट्रीट लाइट्स लगाने और मौजूदा सिस्टम को अपग्रेड करने के फैसले भी लिए गए हैं।

सीवरेज, जल और स्वच्छता पर जोर

ईडब्लूएस कॉलोनियों में सीवरेज सिस्टम मजबूत करने, नई पाइपलाइन डालने, वाटर वर्क्स की मरम्मत और सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण व नवीनीकरण को मंजूरी दी गई है। इसके साथ ही स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज (SWD) से जुड़े प्रोजेक्ट्स भी शामिल हैं।

ग्रीन और पब्लिक स्पेस डेवलपमेंट

शहर के पार्कों, ग्रीन बेल्ट्स और ओपन स्पेस को विकसित करने, फाउंटेन की मरम्मत, बच्चों के लिए प्ले इक्विपमेंट और बेंच लगाने जैसे कार्यों को भी मंजूरी मिली है। सेक्टर-34, 35 और 43 में विशेष हरित विकास कार्य किए जाएंगे। कमेटी ने वेंडिंग जोन निर्माण, फुटब्रिज पुनर्निर्माण, बाउंड्री वॉल रिपेयर, मशीनरी खरीद और विभिन्न सरकारी भवनों के नवीनीकरण जैसे कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स को भी हरी झंडी दी। मेयर सौरभ जोशी ने कहा कि ये फैसले नगर निगम की समग्र शहरी विकास, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और नागरिकों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि इन परियोजनाओं के पूरा होने से चंडीगढ़ में विकास की रफ्तार और तेज होगी और लोगों को सीधे लाभ मिलेगा।

'पंजाबियों को विश्वासघात पसंद नहीं', AAP में टूट पर मनीष तिवारी का हमला

चंडीगढ़/यूटर्न/27 अप्रैल। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने आम आदमी पार्टी में कथित टूट और नेताओं के पार्टी छोड़ने के मुद्दे पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पंजाब की राजनीति में विश्वास और प्रतिबद्धता सबसे अहम हैं, और पंजाबियों को विश्वासघात बिल्कुल पसंद नहीं। तिवारी ने कहा कि जिन नेताओं को आम आदमी पार्टी ने सांसद बनाया, वही अब पार्टी छोड़कर जा रहे हैं। यह केवल एक दल का आंतरिक मामला नहीं, बल्कि पंजाब की राजनीति में बड़ा संकेत है। उन्होंने कहा कि इस घटनाक्रम का सीधा राजनीतिक लाभ कांग्रेस को आगामी चुनावों में मिल सकता है।

उन्होंने कहा, 'पंजाब की सियासी पृष्ठभूमि अलग है। यहां जनता नेताओं के व्यवहार और निष्ठा को गंभीरता से देखती है। पार्टी छोड़ने की घटनाएं लोगों के मन पर असर डालती हैं।' मनीष तिवारी ने कहा कि वे पंजाब और पंजाबियों की राजनीतिक सोच को अच्छी तरह समझते हैं, क्योंकि वे 10 वर्षों तक पंजाब से सांसद रहे, वहीं से चुनाव जीते और केंद्र सरकार में मंत्री भी रहे। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी को आत्ममंथन करना चाहिए कि आखिर उनके इतने सांसद पार्टी क्यों छोड़ रहे हैं। तिवारी ने संकेत दिया कि पार्टी के भीतर मतभेद स्वाभाविक हो सकते हैं, लेकिन लगातार नेताओं का बाहर जाना जनता के मूड के खिलाफ संदेश देता है।

राज्यसभा चेयरमैन ने 7 सांसदों के बीजेपी में विलय को मंजूरी दी; आप को बड़ा झटका

चंडीगढ़/यूटर्न/27 अप्रैल। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) को एक बड़ा झटका लगा है। सोमवार को राज्यसभा के चेयरमैन सीपी राधाकृष्णन ने पार्टी के सात सांसदों के बीजेपी में विलय को मंजूरी दे दी। राज्यसभा की वेबसाइट पर पार्टियों के हिसाब से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, सदन में आप के सांसदों की संख्या पहले के 10 से घटकर अब सिर्फ 3 रह गई है, जबकि बीजेपी के सांसदों की संख्या 106 से बढ़कर 113 हो गई है। सत्ताधारी NDA की ताकत भी सदन में पहले के 141 से बढ़कर 148 हो गई है। बीजेपी अकेले ही अब राज्यसभा में बहुमत के आंकड़े 123 के काफी करीब पहुँच गई है। राज्यसभा के सूत्रों ने बताया कि चेयरमैन ने बीजेपी में विलय के लिए आप के सात सांसदों द्वारा हस्ताक्षरित पत्र पर कानूनी राय ली थी। ये सात सांसद राज्यसभा में आप के विधायी दल की कुल ताकत का दो-तिहाई हिस्सा हैं। इन सांसदों में राघव चड्ढा, संदीप पाठक, स्वाति मालीवाल, हरभजन सिंह,

संविधानिक रुप से दी अनुमति

राज्यसभा के चेयरमैन ने इस पत्र को संविधान की दसवीं अनुसूची के अनुरूप पाया। इस अनुसूची के तहत, यदि किसी पार्टी के दो-तिहाई सदस्य विलय के लिए अपनी सहमति देते हैं, तो उस विलय को वैध माना जाता है। इस बीच, आप ने कल ही चेयरमैन राधाकृष्णन को एक पत्र लिखकर इन सांसदों को अयोग्य घोषित करने की मांग की थी। आप ने अपनी मांग के समर्थन में संविधान की दसवीं अनुसूची के उल्लंघन का हवाला दिया था, जिसमें दलबदल विरोधी कानून का विस्तृत विवरण दिया गया है।

विक्रमजीत साहनी, अशोक मित्तल और राजेंद्र गुप्ता शामिल हैं। राज्यसभा के अधिकारियों ने बताया कि इन सभी सांसदों ने दलबदल के पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं और बीजेपी में विलय के लिए अपनी सहमति दी है।

आप ने कई कानूनी माहिरों का हवाला दिया

आप ने कपिल सिब्बल समेत कई कानूनी विशेषज्ञों का हवाला देते हुए यह तर्क दिया है कि किसी भी विलय को प्रभावी मानने के लिए, सबसे पहले राजनीतिक पार्टियों का आपस में विलय होना जरूरी है, और उसके बाद ही विधायी दल का विलय होना चाहिए; इसका क्रम इसके विपरीत नहीं हो सकता।

महाराष्ट्र में ऐसे मामले सामने आ चुके

हालाँकि, महाराष्ट्र में पहले भी ऐसे मामले सामने आ चुके हैं। वहाँ एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना के गुट और दिवंगत अजित पवार के नेतृत्व वाले ठउठ के गुट ने अपने-अपने मूल दलों से अलग होकर, अपने दो-तिहाई सांसदों के साथ एक नया गुट बना लिया था। बाद में, इन गुटों को ही मूल पार्टी के चुनाव चिह्न भी आवंटित कर दिए गए थे।

टुकड़े-टुकड़े गुट को अलविदा

केंद्र मंत्री रिजिजू ने एक्स पर एक बयान में कहा अब, राघव चड्ढा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, स्वाति मालीवाल, राजिंदर गुप्ता और विक्रमजीत सिंह साहनी बीजेपी संसदीय दल के सदस्य हैं। मैंने लंबे समय से देखा है कि इन 7 माननीय सांसदों ने कभी भी अभद्र भाषा का इस्तेमाल नहीं किया और न ही कभी कोई अनुशासनहीनता या असंसदीय आचरण किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में राष्ट्र निर्माण करने वाले NDA में आपका स्वागत है और 'टुकड़े-टुकड़े' INDIA गठबंधन को अलविदा,₹ उन्होंने कहा।

पुणे में 'प्रिंट ओलंपियाड 2026' का वेस्ट जोन फिनाले सफलतापूर्वक संपन्न

पुणे/यूटर्न/27 अप्रैल। प्रिंटिंग और पैकेजिंग उद्योग से जुड़े छात्रों के लिए आयोजित देशव्यापी प्रतिभा खोज प्रतियोगिता "Manoj B. Mehta Print Olympiad 2026" के सातवें संस्करण का वेस्ट जोन फिनाले 25 अप्रैल 2026 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह आयोजन PVG's College of Engineering, Technology & Management, पुणे में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रिंटिंग और पैकेजिंग उद्योग में युवा प्रतिभाओं को पहचान देना और उन्हें व्यावहारिक ज्ञान से जोड़ना है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न तकनीकी राउंड और प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रतिभागियों की क्षमता का आकलन किया गया।

इस अवसर पर प्रिंटिंग इंडस्ट्री से जुड़े कई वरिष्ठ विशेषज्ञ और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिन्होंने छात्रों का मार्गदर्शन किया और उन्हें उद्योग की नई तकनीकों व अवसरों के बारे में जानकारी दी। आयोजन को उद्योग जगत से भी मजबूत समर्थन मिला, जिससे इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। आयोजकों ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम छात्रों को न केवल प्रतिस्पर्धा का मंच देते हैं, बल्कि उन्हें अपने कौशल को निखारने और भविष्य के करियर के लिए तैयार करने में भी मदद करते हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर प्रतिभागियों और अतिथियों ने संतोष व्यक्त किया।

नीले रंग के समंदर में डूबी जी.एच.जी. अकादमी

नन्हे-मुन्नों ने 'ब्लू डे' पर बिखेरी अपनी मासूमियत की चमक

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/27/अप्रैल। जी.एच.जी. अकादमी में आज का दिन खुशियों और रंगों के नाम रहा। विद्यालय के प्रांगण में 'ब्लू डे' (Blue Day) का आयोजन किया गया, जहाँ चारों ओर नीले रंग की छटा बिखरी नजर आई। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्री-प्राइमरी स्तर के नन्हे विद्यार्थियों को रचनात्मक खेल-कूद के माध्यम से नीले रंग की पहचान और उसके महत्व से अवगत कराना था।

नीले परिधानों में सजे 'नन्हे सितारे'...नर्सरी, एल.के.जी. और यू.के.जी. के बच्चों ने इस उत्सव में पूरे जोश के साथ शिरकत की। नीले रंग के सुंदर और आकर्षक वस्त्रों में सजे ये बच्चे ऐसे प्रतीत हो रहे थे मानो विद्यालय में नीला आसमान उतर आया हो। बच्चों की खिलखिलाहट और उनके नीले परिधानों ने पूरे परिसर को जीवंत बना दिया।

सीखने और सिखाने का अनोखा संगम (प्रमुख गतिविधियाँ)... बच्चों की रचनात्मकता और मानसिक विकास को ध्यान में रखते हुए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

नर्सरी (बैलून पेंटिंग): नन्हे हाथों ने नीले रंग में डूबे गुब्बारों के साथ कागज पर सुंदर आकृतियाँ उकेरीं। इस गतिविधि ने बच्चों को रंगों के साथ खेलने का एक नया अनुभव दिया।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

Live-in Relationship का legal status क्या है?

आज के समय में Live-in Relationship यानी बिना शादी के साथ रहना एक वास्तविकता बन चुका है, लेकिन इसके कानूनी पहलुओं को लेकर अक्सर भ्रम बना रहता है।

भारतीय कानून Live-in Relationship को सीधे तौर पर "illegal" नहीं मानता।

यदि दो वयस्क (major) अपनी इच्छा से साथ रहना चाहते हैं, तो यह उनके व्यक्तिगत अधिकार (right to life and personal liberty) के अंतर्गत आता है।

हालांकि, Live-in Relationship को शादी के बराबर पूरी तरह मान्यता नहीं दी गई है, लेकिन कुछ परिस्थितियों में इसे "relationship in the nature of marriage" माना जा सकता है।

उदाहरण के तौर पर, यदि कोई महिला लंबे समय तक Live-in Relationship में रहती है और उसके साथ दुर्व्यवहार होता है, तो वह Domestic Violence Act के तहत सुरक्षा और राहत मांग सकती है।

इसी प्रकार, ऐसे संबंध से जन्मे बच्चे को भी कानून में वैध (legitimate) माना गया है और उसे संपत्ति में अधिकार मिल सकता है।

लेकिन यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि हर Live-in Relationship को कानूनी सुरक्षा नहीं मिलती। अदालत यह देखती है कि संबंध स्थायी (stable) और विवाह जैसे स्वरूप में था या नहीं।

कई लोग बिना कानूनी समझ के ऐसे संबंध में आ जाते हैं, जिससे बाद में अधिकारों को लेकर विवाद उत्पन्न हो जाते हैं।

निष्कर्ष : Live-in Relationship भारत में अवैध नहीं है, लेकिन इसकी कानूनी सुरक्षा सीमित और परिस्थितियों पर निर्भर करती है। ऐसे संबंध में आने से पहले उसके कानूनी प्रभाव को समझना आवश्यक है।

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

जब तक जिंदा रहेंगे मुकाबले के लिए तैयार रहेंगे।

मछली पानी के उलटे बहाव के साथ भी बखूबी तैर लेती है। कितनी भी बड़ी बड़ी लहरें उसे यहाँ से वहाँ क्यों न पटक दें एक छोटी सी मछली इतना दम रखती है कि वो पानी के महान वेग से भटका एक छोटा सा जीव भी अपने रास्ते को फिर से ढूँढे और अपना मार्ग तय कर सके। परंतु अगर वो ही मछली जब अपना दम तोड़ देती है तो वही पानी जिसके साथ उसने पूरा जीवन संघर्ष करके जीत हासिल की थी उसे अपने बहाव के साथ कहीं भी बहा कर ले जाता है और एक दिन उस मृत शरीर को नदी या समुद्र से निकाल कर बाहर किनारे पर फेंक आता है। हम लोग भी जब तक अपनी समस्याओं के वेग से स्वयं को बाहर निकाल कर फिर से नया रास्ता ढूँढकर जीवंत होकर जीते हैं तब तक हमारा समाज और प्रकृति हमारा साथ देती है। पर जैसे ही हम अपने-आप को निष्क्रिय करके समस्याओं के वेग में बहने देते हैं और उनसे उबरने का कोई प्रयत्न नहीं करते तब हमारा समाज और प्रकृति हमें स्वीकार नहीं करती और हमें अपने समूह से बाहर निकाल देती है। जब एक छोटी सी जिंदा मछली भयंकर वेग के आगे हार नहीं मानती तो हमें भी जीते जी अपना प्रयत्न करते रहना होगा। मरने के बाद तो लोग हमें भूल ही जाते हैं और हमसे किनारा कर ही लेते हैं तो फिर जब तक हम जिन्दा हैं मुकाबला करने के लिए सदा तैयार रहेंगे।

नशा तस्करों की गुप्त शिकायत लीक होने के आरोपों के बाद घर पर हमला

शिकायतकर्ता ने जताई जान-माल के नुकसान की आशंका

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/27/अप्रैल। पंजाब सरकार और पंजाब पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के तहत आम जनता से सहयोग मांगते हुए सूचना देने वालों की पहचान गुप्त रखने के दावों के बीच, जगरांव के मोहल्ला 'रानी वाला खूह' से एक गंभीर मामला सामने आया है। इलाके के निवासी सुखदेव सिंह ने आरोप लगाया है कि इलाके में कथित तौर पर नशा बेचने वालों के खिलाफ पुलिस को दी गई उसकी गुप्त शिकायत लीक हो गई, जिसके बाद कुछ लोगों ने उसके घर पर ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया।

क्या है पूरा मामला ?

पीड़ित सुखदेव सिंह ने बताया कि उनके इलाके में कुछ लोगों द्वारा कथित तौर पर 'चिट्टे' (सिंथेटिक ड्रग्स) की बिक्री की जाती है, जिससे मोहल्ले की लड़कियों और आम लोगों का निकलना मुश्किल हो गया है। उन्होंने बताया इस संबंध में उन्होंने पुलिस विभाग को एक गुप्त शिकायत दी थी। सुखदेव सिंह का आरोप है कि शिकायत की जानकारी कथित नशा तस्करों तक पहुँच गई। इसके बाद तस्करों ने एकजुट होकर उनके घर पर हमला कर दिया। पीड़ित ने कहा कि हमले के दौरान वह बाल-बाल बच गए, लेकिन अब उन्हें अपनी जान और माल के नुकसान का डर सता रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में उन्हें कोई नुकसान होता है, तो इसके लिए हमलावर और वह प्रशासनिक लापरवाही जिम्मेदार होगी, जिसकी वजह से उनकी शिकायत सुरक्षित नहीं रही।

पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

पीड़ित ने बताया कि हमले के तुरंत बाद उन्होंने थाना सिटी जगरांव के प्रभारी इंस्पेक्टर परमिंदर सिंह को फोन किया। उनके अनुसार : मौके पर दो पुलिस कर्मचारी पहुँचे। हमलावरों की पहचान बताने के बावजूद कोई त्वरित कार्रवाई नहीं की गई और कर्मचारी वापस चले गए। पीड़ित ने इसे पुलिस की ढीली कार्यप्रणाली बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है।

क्या कहना है लुधियाना देहाती पुलिस कप्तान का:-एसएसपी डॉ. अंकुर गुप्ता लुधियाना देहाती ने कहा कि नशा तस्करी में शामिल असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस की कथित लापरवाही पर उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले की गहराई से जांच होगी और तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। जिस स्थान पर हमला हुआ, वह शिरोमणि अकाली दल द्वारा नगर परिषद चुनावों के लिए वार्ड नंबर 9 के उम्मीदवार का दफ्तर बताया जा रहा है।

शिअद (SAD) पूर्व विधायक कलेर का पक्ष:

पूर्व विधायक एस.आर. कलेर ने कहा कि जहां हमला हुआ है वह उनके द्वारा मतदान में उतारे गए उम्मीदवार का घर नहीं बल्कि उनके पड़ोसी का घर है। वहीं सूत्रों की माने तो यह वार्ड नंबर 9 से प्रेशर का चुनाव लड़ने वाली बीबी नरेंद्रजीत कौर का दफ्तर है और खबर में प्रकाशित की गई फोटो में नरेंद्रजीत कौर के पति साफ नजर आ रहे हैं। मुख्य चिंता: एक तरफ पुलिस जनता से नशे के खिलाफ सूचना मांग रही है, वहीं दूसरी ओर सूचना देने वाले की पहचान लीक होने के आरोप आम जनता के भरोसे के लिए बड़ी चुनौती हैं। अब सबकी नजरें पुलिस की आगामी जांच पर टिकी हैं।

एजूकेशन फेयर दौरान बच्चों को करियर, स्किल और फाइनेंशियल अवेयरनेस पर दी अहम जानकारी

लुधियाना/यूटर्न/27 अप्रैल। लुधियाना में टीम आयुष जैन द्वारा सिविल लाइन स्थित कुंदन विद्या मंदिर स्कूल में एक भव्य एजूकेशन फेयर का आयोजन किया गया। इस एजूकेशन फेयर में बड़ी संख्या में अभिभावकों और बच्चों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। खास तौर पर 11वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों के लिए सही करियर चयन को लेकर विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया।इवेंट के दौरान करियर काउंसलर आयुष जैन ने छात्रों को उनकी क्षमता, रुचि और वर्तमान अवसरों के अनुसार सही संस्थान चुनने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में सही दिशा का चयन ही सफलता की

कुंजी है। फेयर में करियर काउंसलिंग, एक्सपर्ट सेशन, स्किल माइंडसेट डेवलपमेंट, फाइनेंशियल अवेयरनेस, फ्यूचर प्लानिंग और करियर क्लैरिटी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिससे छात्रों और अभिभावकों को सही निर्णय लेने में मदद मिली।

इस मौके पर 100 से अधिक यूनिवर्सिटीज, 15 से ज्यादा देशों के शिक्षण संस्थान और भारत के शीर्ष कॉलेजों ने भाग लिया। छात्रों को एडमिशन टीम के साथ सीधे संवाद करने और अपने करियर से जुड़े सवालों के समाधान पाने का सुनहरा अवसर मिला।

इस करियर फेयर में कुल 600 छात्रों ने भाग लिया, जिनमें से 200 से अधिक छात्र बीसीएम आर्य, एसपीएम, डीपीएस, मानव रचना सहित अन्य प्रमुख स्कूलों से पहुंचे।आयुष जैन ने अपने संबोधन में कहा, आज के समय में करियर चुनना सिर्फ डिग्री हासिल करना नहीं है, बल्कि सही दिशा में आगे बढ़ना है।

लुधियाना में गो सम्मान आह्वान अभियान के तहत डीसी को सौंपा ज्ञापन

लुधियाना/यूटर्न/27 अप्रैल। लुधियाना में गो सम्मान आह्वान अभियान के तहत संत स्वामी कृष्णानंद जी महाराज भूरी वाले की रहनुमाई में संत समाज, गोभक्तों और शहरवासियों ने डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन को ज्ञापन सौंपा। यह अभियान देशभर में चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य गौ संरक्षण और संवर्धन से जुड़ी मांगों को सरकार तक पहुंचाना है। ज्ञापन में गाय को ह्यराष्ट्र माताह्न या ह्यराष्ट्रीय धरोहरह्न का दर्जा देने और गोहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध के लिए सख्त केंद्रीय कानून बनाने की मांग की गई। स्वामी कृष्णानंद जी महाराज ने बताया कि इस अभियान के तहत शहरवासियों के हस्ताक्षरयुक्त प्रार्थना पत्र राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री को भेजे जाएंगे, जिनमें गौ माता की रक्षा, सेवा और संरक्षण की अपील की जाएगी। इस दौरान गौ सेवक बिट्टू गुंबर ने बताया कि लुधियाना के श्री गोविंद गौधाम में 2500 से अधिक गौ माताओं की सेवा और पालन-पोषण किया जा रहा है। उन्होंने चिंता जताई कि कई लोग गायों को गौशाला में भेजने के बजाय सड़कों पर लावारिस छोड़ देते हैं, जिससे हादसे बढ़ रहे हैं। इस समस्या के समाधान के लिए भी सख्त कानून बनाने की मांग उठाई गई। ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन से अपील की गई कि गोवंश की सुरक्षा, उचित देखभाल और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि समाज में जागरूकता बढ़े और गौ संरक्षण को मजबूती मिल सके।

आप की नितियों की कार्यशैली से प्रभावित होकर विधानसभा उतरी महिला कांग्रेस की ब्लाक अध्यक्ष गगनदीप कौर सैकड़ो महिलाओं सहित आप में शामिल

लुधियाना/यूटर्न/27 अप्रैल। पंजाब सरकार की नितियों व विधायक मदन लाल बग्गा की कार्यशैली से प्रभावित होकर विधानसभा उतरी महिला कांग्रेस की ब्लाक अध्यक्ष गगनदीप कौर सैकड़ो महिलाओं व कांग्रेसजनों सहित आप में शामिल हो गए। वार्ड 8 में आयोजित कार्यक्रम में विधायक चौ.मदन लाल बग्गा ने गगनदीप कौर का साथियों सहित स्वागत कर उन्हें आप की सदस्यता ग्रहण करवाई। इस अवसर पर पार्षद अमन बग्गा भी उपस्थित रहे। विधायक बग्गा ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा राज्य में आम आदमी पार्टी

सरकार की बढ़ती लोकप्रियता से बौखला कर भाजपा का केन्द्रीय नेतृत्व आप सांसदो व विधायकों को ईडी का डर दिखाकर अपनी तरफ खींचने के प्रयत्न कर रहा है। इसके विपरित लुधियाना में दूसरे दलों के नेता व कार्यकर्ता भगवंत मान सरकार की नितियो से प्रभावित होकर आप में शामिल हो परिवार में बढ़ौतरी कर रहे हैं। पिछले दिनो वार्ड-94 में भाजपा महिला मोर्चा से संबधित महिलाएं और आज वार्ड-8 में महिला कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष सैंकड़ो साथियो सहित आप में शामिल हो गए हैं। अभी दूसरी पार्टियो से आप में शामिल होने वालों की लंबी कतारें लगी है। कांग्रेस छोड़ आप में शामिल हुई गगनदीप कौर ने कहा कांग्रेस का न तो जमीनी स्तर पर आधार है। और न ही कोई विजन है। इसके विपरित विधायक बग्गा का विकास माडल व कार्यकर्ताओ के साथ सीधे संपर्क से प्रभावित होकर उन्होने कांग्रेस को अलविदा कह कर आप में शामिल होने का फैसला लिया है। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी के जिला, ब्लाक, वार्ड व बूथ स्तर के पदाधिक्कारी व स्थानीय निवासी भी उपस्थित रहे।

सीवरेज का काम ठेके पर देने के खिलाफ कर्मचारी एसोसिएशन ने किया रोष प्रदर्शन

लुधियाना/यूटर्न/27 अप्रैल। नगर निगम कर्मचारी एसोसिएशन द्वारा सोमवार चेयरमैन राहुल डुलगच की अगुवाई में पंजाब व नगर प्रशासन की कर्मचारियों विरोधी नीतियों के खिलाफ स्थानीय जोन-डी में रोष प्रदर्शन किया। इस मौके पर कर्मचारी एसोसिएशन के नेताओं द्वारा मुख्यमंत्री भगवंत मान का पुतला भी फूंका गया। इस मौके पर संबोधन करते हुए राहुल डुलगच ने बताया कि पंजाब में बदलाव के नाम पर सत्ता में आई आम आदमी पार्टी ने सबसे ज्यादा नुकसान एससी समाज के हितों का किया है। उन्होंने कहा कि बीते दिनों नगर निगम लुधियाना की एफ एड सी सी की बैठक में लुधियाना के 26 वार्डो के सीवरेज का काम 38 करोड़ रुपए में दो साल के लिए ठेके पर देने का फैसला किया गया जो कि बहुत ही निंदनीय है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने सबसे पहले डीसी रेट सफाई कर्मचारियों की भर्ती बंद की, फिर सफाई कर्मी ठेके पर रखने की प्रथा शुरू की। अब सीवरमैनों को ठेके पर देना बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस मौके पर राजेश कुमार, विवेक सूद, अरुण चंडालिया, सतनाम सिंह, गोतम शर्मा, संदीप ढिलोड़, नरिंदर नोनी, जोनी टांक, विक्की चंदालिया, पंकज, जतिन नाहर, विकास सूद, विशाल सोदे, मनदीप सोदे, अंकित आदि उपस्थित थे।

युवक ने अगवा कर बेरहमी से मारपीट करने के लगाए आरोप

लुधियाना/यूटर्न/27 अप्रैल। भामियां इलाके में एक व्यक्ति ने कार में अगवा कर बेरहमी से मारपीट करने के आरोप लगाए हैं। पीड़ित सुयामित्र ने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने उसे जबरन गाड़ी में बिठाकर अलग-अलग जगहों पर ले जाकर पीटा। उसने यह भी बताया कि आरोपियों ने उसके साथ अमानवीय व्यवहार करते हुए उसके सिर पर पेशाब किया। विजय नगर निवासी सुयामित्र एक फैक्टरी में काम करता है, ने बताया कि उसने लगभग एक महीने पहले अपनी एक महिला सहकर्मी से कुछ पैसे उधार लिए थे। शुक्रवार को वह महिला कर्मचारी के घर उधार की रकम लौटाने गया था। पीड़ित के अनुसार, इसी दौरान महिला के चचेरे भाइयों ने उसे घेर लिया और जबरन अपनी कार में बैठा लिया। सुयामित्र का आरोप है कि आरोपी उसे अलग-अलग स्थानों पर ले गए, जहां उसके साथ लगातार मारपीट की गई। पीड़ित ने बताया कि आरोपियों ने उसे धमकाया और काफी देर तक परेशान करते रहे। उसे दोपहर 12 बजे अगवा किया गया और रात 2 बजे छोड़ा गया। मामले की जांच कर रहे एएसआई ने जानकारी दी कि पुलिस को शिकायत मिल गई है और जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस टीम ने घटनास्थल का भी जायजा लिया है। एएसआई गुरचरण सिंह ने बताया कि सच्चाई का पता लगाने के लिए दोनों पक्षों को मंगलवार को थाने में बुलाया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

केजरीवाल ने जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा के सामने सुनवाई का बहिष्कार किया, गांधीवादी सत्याग्रह का हवाला

चंडीगढ़/यूटर्न/27 अप्रैल। आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली हाई कोर्ट की जज जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा को एक पत्र लिखकर कहा है कि वह सीबीआई शराब नीति मामले में उनकी बेंच के सामने चल रही आगे की कार्यवाही में हिस्सा नहीं लेंगे। उन्होंने इसका कारण कार्यवाही की निष्पक्षता पर अपना भरोसा खो देना बताया और गांधीवादी सत्याग्रह के सिद्धांतों का हवाला दिया। जज को लिखे एक विस्तृत पत्र में, केजरीवाल ने कहा कि उनका यह फैसला पूरी विनम्रता और न्यायपालिका के प्रति पूर्ण सम्मान के साथ लिया गया है। लेकिन, यह निष्कर्ष निकालने के बाद कि कोर्ट के सामने चल रही कार्यवाही उस बुनियादी सिद्धांत को पूरा नहीं करती कि न्याय न केवल होना चाहिए, बल्कि होता हुआ दिखना भी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कदम गुस्से या अनादर में नहीं उठाया गया है, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता पर जनता के भरोसे की चिंता के कारण उठाया गया है।

मैं कार्रवाई में हिस्सा नहीं लूंगा

मैं आगे की कार्यवाही में हिस्सा नहीं लूंगा। मुझे पूरी तरह से पता है कि ऐसा करने से, मेरे अपने कानूनी हितों को नुकसान पहुंच सकता है। मैं उन परिणामों को भुगतने के लिए तैयार हूं। यह वह बोझ है जिसे गांधीवादी सत्याग्रह के हर कर्तव्यनिष्ठ कार्य को उठाना पड़ता है, और मेरा अंतर्मन मुझे कोई अन्य गरिमापूर्ण रास्ता नहीं दिखाता। जस्टिस शर्मा, उइकद्वारा दायर उन पुनर्विचार याचिकाओं की सुनवाई कर रही हैं, जो ट्रायल कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ दायर की गई थीं, जिसमें केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और कथित शराब नीति भ्रष्टाचार मामले के अन्य सभी आरोपियों को बरी कर दिया गया था।

जस्टिस ने अर्जी को खारिज किया था

पिछले हफ्ते, जस्टिस शर्मा ने इस अर्जी को खारिज कर दिया और मामले की सुनवाई खुद करने का फैसला किया। केजरीवाल ने अपने पत्र में लिखा कि अर्जी खारिज करने वाले आदेश में इस्तेमाल की गई भाषा से ऐसा लगा कि उनकी दलील को जज और संस्था पर एक निजी हमले के तौर पर देखा गया है। उनके अनुसार, इस बात ने यह मानना असंभव बना दिया है कि उन्हें एक निष्पक्ष सुनवाई मिल पाएगी। उन्होंने कहा कि जहाँ कोई मुकदमेबाज अपने खिलाफ आए किसी आदेश को मान सकता है, वहीं ऐसे फैसले को मानना ज्यादा मुश्किल होता है, जिसमें यह संकेत दिया गया हो कि मुकदमेबाज यह साबित करने की कोशिश कर रहा था कि जज रदागदारर है या अदालत को किसी राजनीतिक मुकदमेबाज द्वारा डराया-धमकाया जा सकता है।

हितों के टकराव के आरोप

इस पत्र में, केजरीवाल ने जज के बच्चों के सरकारी लीगल पैनल में पेशेवर तौर पर शामिल होने से पैदा होने वाले हितों के टकराव को लेकर अपनी चिंताओं को फिर से दोहराया। उन्होंने बताया कि इस मामले में सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (CBI), जिसका प्रतिनिधित्व सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता कर रहे हैं, विरोधी पक्ष है।

पहले भी की थी मांग

केजरीवाल ने इससे पहले एक अर्जी दायर कर जस्टिस शर्मा से इस मामले से खुद को अलग करने की मांग की थी। उन्होंने जस्टिस शर्मा की ओर से पक्षपात की आशंका जताई थी, जिसके आधारों में इस मामले में केजरीवाल को राहत न देने वाले उनके पिछले आदेश, फ्तरसे जुड़े 'अधिवक्ता परिषद' के कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी, और उनके बच्चों का सॉलिसिटर जनरल के अधीन केंद्र सरकार के वकील के तौर पर पैनल में शामिल होना आदि शामिल थे। केजरीवाल ने इस अर्जी पर खुद बहस करने के लिए जस्टिस शर्मा के सामने पेश होकर दलीलें दी थीं।

दोनों बच्चे पैनल में शामिल

पत्र के अनुसार, जज के दोनों बच्चे सरकारी वकील के तौर पर पैनल में शामिल हैं और उन्हें सॉलिसिटर जनरल से केस मिलते हैं। केजरीवाल ने सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत मिली जानकारी का हवाला दिया, जिससे पता चलता है कि जज के बेटे को 2023 और 2025 के बीच बड़ी संख्या में केस दिए गए थे; उन्होंने यह तर्क दिया कि इतने ज्यादा केस मिलने से उन्हें पेशेवर तौर पर काफी ज्यादा फीस मिल सकती है।

गांधीवादी सिद्धांतों का ज़िक्र

केजरीवाल ने कहा कि कार्यवाही में हिस्सा न लेने का उनका फैसला महात्मा गांधी के सत्याग्रह से जुड़े उपदेशों से प्रेरित था। उन्होंने कहा कि उन्होंने संबंधित अधिकारियों को उस बात पर विचार करने और उसे सुधारने का मौका दिया, जिसे वह न्याय का गंभीर हनन मानते थे; इसके बाद अब उनकी अंतरात्मा उन्हें इस कार्यवाही में आगे हिस्सा लेने की इजाजत नहीं देती।

बिशनपुरा डंपिंग ग्राउंड में भीषण आग, 12 घंटे बाद भी नहीं बुझी; जहरीले धुएं से लोग परेशान

कूड़े के पहाड़ में लगी आग बनी आफत, पूरे दिन सुलगता रहा डंपिंग ग्राउंड

जीरकपुर/यूटर्न/27 अप्रैल। बिशनपुरा डंपिंग ग्राउंड में सोमवार सुबह करीब 7 बजे लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। कूड़े के पहाड़ में दबी प्लास्टिक और अन्य ज्वलनशील सामग्री ने आग को ऐसा 'ईंधन' दिया कि 12 घंटे से अधिक समय बीतने के बावजूद भी इस पर काबू नहीं पाया जा सका। सुबह से ही मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां और टेंडर लगातार पानी डालते रहे, लेकिन आग बुझने के बजाय अंदर ही अंदर सुलगती रही और पूरे दिन जहरीला धुआं उगलती रही। शाम करीब 7 बजे तक भी हालात पूरी तरह नियंत्रित नहीं हो सके, जिससे प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

आग का सबसे ज्यादा असर आसपास की रिहायशी सोसाइटियों में देखने को मिला। हवा में फैले काले और जहरीले धुएं ने लोगों का सांस लेना तक मुश्किल कर दिया। कई निवासियों ने आंखों में जलन, गले में खराश और सांस लेने में दिक्कत की शिकायत की। स्थानीय लोगों का कहना है कि डंपिंग ग्राउंड लंबे समय से बीमारी का अड्डा बना हुआ है, लेकिन प्रशासन हर बार केवल आग बुझाने तक ही सीमित रहता है और स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाते।

विभाग के अधिकारी राजीव कुमार के अनुसार, आग सुबह लगी थी और कूड़े में मौजूद प्लास्टिक के कारण लगातार सुलगती रही। उन्होंने बताया कि फायर विभाग की टीमें मौके पर डटी हुई हैं और आग बुझाने के प्रयास जारी हैं।

बड़ा सवाल यह है कि आखिर डंपिंग ग्राउंड में बार-बार आग क्यों लगती है। क्या कचरा प्रबंधन में लापरवाही इसकी वजह है या फिर प्रशासन खतरे को नजरअंदाज कर रहा है? पर्यावरण विशेषज्ञों के मुताबिक प्लास्टिक जलने से निकलने वाला धुआं बेहद जहरीला होता है, जिसमें डाइऑक्सिन जैसे खतरनाक तत्व शामिल होते हैं, जो लंबे समय में कैंसर और सांस संबंधी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं।

फिलहाल आग बुझाने का काम जारी है, लेकिन बिशनपुरा डंपिंग ग्राउंड एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर गया है कि क्या शहर को साफ रखने के नाम पर लोगों की सेहत से खिलवाड़ किया जा रहा है?

ब्लड बैंक में आयोजित क्रमिक रक्तदान शिविरों की सेवा ने रचा विश्व स्तरीय नया इतिहास

पटियाला/यूटर्न/27 अप्रैल। मानवता की भलाई के प्रति प्रतिबद्धता ने एक बार फिर पूरी दुनिया के सामने सेवा का नया विश्व स्तरीय इतिहास रच दिया है। निश्चित रूप से तय तिथियों पर क्रमिक रक्तदान शिविर लगाना अपने आप में एक बड़ी चुनौती है, परंतु फिर भी 'यूनिवर्सल वेलफेयर क्लब पंजाब' और 'ह्यूमन वेलफेयर फाउंडेशन' के 'मिशन लाली और हरियाली' (स्वैच्छिक रक्तदान और पौधरोपण जागरूकता लहर) से जुड़े स्वयंसेवक अपनी सेवा में लगातार डटे हुए हैं। इन्हीं के प्रयासों के फलस्वरूप थैलेसीमिक बच्चों, कैंसर, डिलीवरी, दुर्घटना और अन्य ऑपरेशनों के रोगियों के लिए रक्त की मांग को पूरा करने हेतु पिछले 14 वर्षों से लगातार हर महीने की 5 और 20 तारीख को ब्लड बैंक, सरकारी राजिंद्रा अस्पताल, पटियाला में सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक पहुँचकर रक्तदान किया जाता है। इन शिविरों में 5 मई 2012 से 20 अप्रैल 2026 तक कुल 344 शिविरों में 7488 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जिनमें 4 विशेष शिविर तथा लॉकडाउन एवं कर्फ्यू के दौरान लगाए गए 4 आपातकालीन शिविर भी शामिल हैं। रक्तदाताओं को डोनर रिटेंशन प्रोग्राम के तहत रिमाइंडर कार्ड और रेगुलर ब्लड डोनर कार्ड भी बनाकर दिए जाते हैं।

लोगों ने कई बार दान किया ब्लड...मिशन लाली और हरियाली के तहत ब्लड बैंक में आयोजित इन रक्तदान शिविरों के दौरान गुरप्रीत सिंह करणपुर, तरसेम लाल दीवानवाला और संतोष कुमार पटियाला ने 36 बार, अवतार सिंह बलबेड़ा ने 34, गुरतेज सिंह सिउणा ने 32, सुखजीत सिंह बसंतपुरा ने 31, सुखजिंदर सिंह घुम्मन अलीपुर व रविंदर सिंह भांखर ने 28, जरनैल सिंह छाजला, गुरतेज सिंह भट्टीआं व संदीप कुमार पटियाला ने 27 बार, पूर्व डी.एस.पी. नाहर सिंह माजरी, नरेंद्र कुमार वर्मा साहिब नगर थेड़ी, सुनिंदर सिंह सूलर व बलविंदर सिंह अकौत ने 26 बार, नरेंद्र सिंह काठगढ़ (अध्यक्ष, ह्यूमन वेलफेयर फाउंडेशन) व एडवोकेट दलजीत सिंह दोदड़ा ने 25, सुखदीप सिंह सोहल ने 24, मनी गोयल पटियाला ने 23, जसवंत सिंह काठगढ़ व बहादुर सिंह ददहेड़ा ने 21वीं, गौरव बंसल और योगेश कुमार बलबेड़ा ने 20 बार रक्तदान किया। राज्य स्तरीय सम्मान से सम्मानित जसवीर कौर मछराए कलां और बलजिंदर कौर पटियाला ने भी इस ऐतिहासिक कार्य में अपना नाम दर्ज करवा लिया है।

शिविरों के असली हीरो नियमित रक्तदाता – हरदीप सनौर...'मिशन लाली और हरियाली' के संस्थापक एवं 'मास्टर मोटिवेटर' हरदीप सिंह सनौर ने बताया कि पिछले 14 वर्षों से नियमित रक्तदान शिविरों की सेवा पूरी दुनिया में एक अनूठा कार्यक्रम बन चुकी है। इन सफलतापूर्वक आयोजित शिविरों के असली हीरो वे नियमित रक्तदाता हैं जो मानवता की भलाई के लिए हर तीन महीने बाद पुन: ब्लड बैंक पहुँचकर रक्तदान करते हैं। उन्होंने कहा कि समूह द्वारा पिछले 20 वर्षों से अब तक 1131 रक्तदान शिविरों में 35821 रक्त यूनिट एकत्रित किए जा चुके हैं।

अकाल तख्त पहुंचे एसजीपीसी सदस्य, बादल को दोबारा तलब कर तनखैया घोषित करने व बयानों पर दंडात्मक कार्रवाई की मांग

अमृतसर/यूटर्न/27 अप्रैल। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के कुछ सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल मास्टर मिठू सिंह काहनेके के नेतृत्व में श्री अकाल तख्त साहिब पहुंचा। इस प्रतिनिधिमंडल ने जत्थेदार साहिब को एक मांग पत्र सौंपते हुए शिरोमणि अकाली दल के नेता सुखबीर सिंह बादल को दोबारा तलब करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल का कहना था कि हाल ही में सुखबीर सिंह बादल द्वारा दिए गए बयानों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि अकाल तख्त साहिब के आदेश को मानने के बाद उसे साजिश बताना सिख परंपराओं और मर्यादा के खिलाफ है। इस पर सख्त कार्रवाई की मांग की गई है ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति अकाल तख्त साहिब के आदेशों पर सवाल उठाने की हिम्मत न कर सके। सदस्यों ने मीडिया से बातचीत में सिख इतिहास के कई उदाहरणों का हवाला दिया, जिसमें कहा गया कि बड़ी-बड़ी हस्तियां ने भी अकाल तख्त साहिब के सामने पेश होकर अपनी गलतियों को स्वीकार किया और माफी मांगी। उन्होंने कहा कि यह परंपरा सिख पंथ की मर्यादा और अनुशासन को दर्शाती है।

एसजीपीसी अध्यक्ष की भूमिका पर भी उठे सवाल

इसके साथ ही एसजीपीसी अध्यक्ष की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए। सदस्यों ने आरोप लगाया कि 2 दिसंबर 2024 को जारी आदेशों का पालन सुनिश्चित करना अध्यक्ष की जिम्मेदारी थी, लेकिन इसमें लापरवाही बरती गई। इसलिए अध्यक्ष को भी अकाल तख्त साहिब में तलब कर जवाबदेही तय करने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने चेतावनी दी कि यदि इस मामले में सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो यह गलत उदाहरण बनेगा और भविष्य में अकाल तख्त साहिब के आदेशों की अनदेखी बढ़ सकती है।

शादी में पहली पत्नी पहुंचने पर दूल्हा दीवार फांदकर भागा, डोली की तैयारी चल रही थी

पंजाब/यूटर्न/27 अप्रैल। पंजाब के फाजिल्का में एक युवक चुपके से दूसरी शादी कर रहा था, तभी उसकी पहली पत्नी पहुंच गई। उसके आते ही शादी समारोह में हंगामा हो गया। बीवी को देखते ही दूल्हा दीवार फांद कर फरार हो गया। गांव के लोगों व पारिवारिक सदस्यों ने बताया कि लड़की के साथ दुल्हा शादी करवा चुका था। बस डोली जानी बाकी थी। शादी के दौरान पहुंची महिला ने बताया कि हाईकोर्ट में लड़के के साथ उसकी शादी हुई थी। दोनों की एक लड़की भी है। पिछले 9 वर्षों से वह उसके साथ रह रहा था। लेकिन वह कभी घर नहीं ले गया। इसको लेकर वह बहाने बनाता रहा। एक साल पहले अपने घर गया। अब शादी की जानकारी पर यहां पहुंची। दुल्हन के पिता ने कहा कि बिचौलियों ने उनके साथ धोखा किया है। एक तो उसके लाखों रुपए खर्च कर दिए गए और दूसरा लड़की की जिंदगी खराब कर दी। पिता ने पुलिस से मामले में कार्रवाई करने की मांग की है। उधर, पुलिस केस दर्ज कर आरोपी को ढूंढ रही है।

9 साल से साथ रहा

महिला जसवंत कौर ने बताया कि उसके पहले पति की मौत हो गई थी। इसके बाद उसने 2017 में जसविंदर सिंह वासी मौजे वाला के साथ अपनी दूसरी शादी की थी। उनकी कोर्ट मैरिज हुई थी। पिछले 9 वर्षों से वह उसे ये कहता आ रहा है कि वह उसे अपने घर लेकर जाएगा। जबकि, वह उसके साथ जलालाबाद में रह रहा था। एक वर्ष पहले ही वो उसे छोड़कर आया है।

दूसरी शादी की जानकारी मिली, तो यहां पहुंची

जसविंदर चोरी छिपे दूसरी शादी कर रहा था। महिला ने बताया कि उसके पति ने ही उसे दूल्हा बने हुए फोटो भेजी। इससे उसे पता चला और वह उसे ढूंढती हुई इस गांव में मौके पर पुलिस लेकर पहुंच गई। मौके पर महिला के पक्ष ने गांव के लोग इक्कठे हो गए। पुलिस को देखकर दूल्हा भाग गया।

मजदूर दिवस पर विधायक दफ्तर घेरने का ऐलान

सुखमणी स्कूल से निकाले कर्मचारियों का संघर्ष 48वें दिन में

डेराबस्सी/यूटर्न/27 अप्रैल। सुखमणी इंटरनेशनल स्कूल से निकाले गए कर्मचारियों, किसान संगठनों और ट्रेड यूनियनों ने मजदूर दिवस के मौके पर 1 मई को डेराबस्सी में बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन करने और विधायक के दफ्तर का घेराव करने का ऐलान किया है। यह फैसला सोमवार को 'संघर्ष कमेटी सुखमणी डेराबस्सी' की 12 सदस्यीय बैठक में लिया गया, जो स्कूल के बाहर चल रहे धरना स्थल पर आयोजित की गई। मीटिंग में नेताओं ने बताया कि स्कूल प्रबंधन द्वारा 2 मार्च को कर्मचारियों को कथित तौर पर गैरकानूनी तरीके से नौकरी से हटा दिया गया था। इसके खिलाफ चल रहा संघर्ष अब 48वें दिन में पहुंच चुका है, लेकिन अभी तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्मचारियों द्वारा पहले विधायक की कोठी का घेराव करने के बाद उन्हें एक सप्ताह का समय दिया गया था, लेकिन अब तक न तो कोई कार्रवाई हुई है और न ही उनकी बात सुनी गई है। संघर्ष कमेटी के नेताओं ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान विधायक के छोटे भाई परमजीत सिंह रंधावा ने एक सप्ताह में समस्या का समाधान कराने का भरोसा दिया था, लेकिन अब तक कोई पहल नहीं की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक की ओर से फोन तक नहीं उठाए जा रहे, जिससे कर्मचारियों और संगठनों में भारी रोष है। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 1 मई को मजदूर दिवस के अवसर पर सभी कर्मचारी और संगठन डेराबस्सी बस स्टैंड पर एकत्रित होंगे। इसके बाद शहर में रोष मार्च निकाला जाएगा और विधायक के दफ्तर का बड़े स्तर पर घेराव कर विशाल रैली आयोजित की जाएगी।

पत्नी को घर बुलाने के लिए पिता ने कर डाली बेटी की हत्या, सबूत मिटाने चुपचाप अंतिम संस्कार किया

पटियाला/यूटर्न/27 अप्रैल। पटियाला के राजपुरा में एक बाप ने अपनी 15 साल की बेटी का कत्ल कर दिया, फिर चुपचाप उसका अंतिम संस्कार कर दिया। मां-बाप के बीच लंबे समय से झगड़ा चल रहा था और दोनों 3 साल से अलग-अलग रहते हैं। बाप मां को वापस बुलाने के लिए बेटी पर उस पर दबाव डाल रहा था।

उसने पत्नी को कई बार बेटी को जान से मारने की धमकी भी दी। मां उसके बाद भी वापस नहीं आई तो उसने अब बेटी का कत्ल कर दिया। मां को बेटी की हत्या का पता तब चला जब उसे गांव में से किसी ने फोन करके सूचना दी। उसने बताया कि जब वो मौके पर पहुंची तब तक आरोपियों ने मिलकर उसका संस्कार भी कर दिया। महिला का आरोप है कि उसके पति व परिवार ने मिलकर बेटी की हत्या की और उसे फंदे से लटकाया है। फिलहाल पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। मृतका की पहचान मनिंदर कौर के नाम से हुई।

पति-पत्नी में लड़ाई हुई

महिला लखविंदर कौर ने बताया कि उसके 2 बच्चे बेटी और बेटा हैं। पति झगड़ा करता ता। वो तीन साल पहले अपने बच्चों को लेकर मायके चले गई। दोनों बच्चों को वहीं पर पाल रही थी। लखविंदर कौर ने बताया कि जब वो अलग हुए तो उसके बाद भी उसका पति उसे टॉर्चर करता रहा। डेढ़ साल पहले उसने कहा कि दो बच्चों में से एक बच्चा मुझे दे दो। वो बेटी को लेकर अपने साथ आ गया।

मुझे बताए बगैर कर दिया अंतिम संस्कार

लखविंदर कौर ने बताया कि 26 अप्रैल को पति व उसके परिवार ने बेटी की हत्या की और उसे फंदे पर टांग दिया। पड़ोस में रहने वाले लोगों ने बेटी को फंदे से उतारा और उन्हें बताया। उसके बाद पति व उसके परिवार ने बेटी का बिना पोस्टमॉर्टम के अंतिम संस्कार कर दिया। जब उसे सूचना मिली तो वो करीब 1 बजे वहां पहुंची। जब उसने पति, ससुर व अन्य लोगों से बेटी की मौत का कारण पूछा तो किसी ने कुछ नहीं बताया। उसे तब तक एक व्यक्ति ने बता दिया था कि बेटी की हत्या करके उसे फंदे से लटकाया है। उसका आरोप है कि पूरा परिवार बेटी की हत्या में शामिल था।

ढकोली में दिनदहाड़े स्नैचिंग, महिला से सोने की चेन झपटी; पुलिस पर देरी के आरोप

जीरकपुर/यूटर्न/27 अप्रैल। ढकोली क्षेत्र में एक बार फिर कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। कृष्णा एन्क्लेव में दिनदहाड़े हुई स्नैचिंग की घटना ने इलाके में दहशत फैला दी है।

जानकारी के अनुसार, मकान नंबर 264 के बाहर खड़ी चंपा देवी को दो मोटरसाइकिल सवार नकाबपोश बदमाशों ने निशाना बनाया। बदमाश अचानक पहुंचे और महिला के गले से करीब एक तोले की सोने की चेन झपटकर मौके से फरार हो गए। वारदात इतनी तेजी से हुई कि महिला को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

घटना के बाद इलाके में भय का माहौल बन गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कुछ समय से चोरी और स्नैचिंग की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे लोगों में असुरक्षा की भावना गहराती जा रही है। पीड़ित महिला ने तुरंत 112 हेल्पलाइन पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी, लेकिन आरोप है कि पुलिस करीब दो घंटे बाद मौके पर पहुंची। इस देरी को लेकर स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिली। गुस्साए निवासी थाने पहुंचे और पुलिस प्रशासन के खिलाफ रोष जताया। बाद में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। इलाके के लोगों ने मांग की है कि पुलिस गश्त बढ़ाई जाए और आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए, ताकि क्षेत्र में सुरक्षा का भरोसा बहाल हो सके।

चंडीगढ़ स्मार्ट वाटर मैनेजमेंट की ओर बढ़ा, 'सिटी वाटर मैनेजमेंट सेल' बनाने का प्रस्ताव

चंडीगढ़/यूटर्न/27 अप्रैल। शहर में जल संरक्षण और सतत जल प्रबंधन को मजबूत करने की दिशा में नगर निगम चंडीगढ़ ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्य अभियंता संजय अरोड़ा ने सोमवार को व्यापक जल कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए एक समर्पित सिटी वाटर मैनेजमेंट सेल गठित करने का प्रस्ताव रखा, जो शहर में जल सुधारों को आगे बढ़ाएगा।

इस कार्ययोजना में भूजल संरक्षण और प्रबंधन पर विशेष जोर दिया गया है। निजी बोरवेल्स पर सख्त नियंत्रण, रिचार्ज वेल, परकोलेशन पिट्स और शहरी वेटलैंड्स के माध्यम से भूजल पुनर्भरण को बढ़ाने की रणनीति बनाई गई है। इसके साथ ही डिजिटल ग्राउंडवॉटर रजिस्ट्री विकसित करने पर भी चर्चा हुई।

योजना के तहत प्राकृतिक चोओं (जलधाराओं) के पुनर्जीवन, स्टॉर्म वाटर को रिचार्ज सिस्टम से जोड़ने और स्मार्ट फ्लड मॉनिटरिंग सिस्टम लागू करने पर भी बल दिया गया। नीतिगत सुधारों में भवन उपनियमों के तहत वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) को अनिवार्य बनाने, जल पुनः उपयोग को बढ़ावा देने और ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए प्रोत्साहन देने जैसे प्रस्ताव शामिल हैं। जल संयंत्रों के सौरकरण (सोलराइजेशन) के जरिए ऊर्जा दक्षता बढ़ाने की योजना भी तैयार की गई है। मुख्य अभियंता ने बताया कि शहर में रउअऊअ आधारित स्मार्ट मॉनिटरिंग, अक आधारित जल मांग पूवार्नुमान और नागरिक सहभागिता के लिए जागरूकता अभियान व रिपोर्टिंग ऐप्स जैसे कदम भी उठाए जाएंगे। नगर निगम का लक्ष्य जल हानि को कम करना, जल पुनः उपयोग को बढ़ाना और भविष्य के लिए एक मजबूत, कुशल और टिकाऊ जल प्रबंधन प्रणाली विकसित करना है।

पुलिस मुख्यालय से 400 मीटर दूर 'हुक्का बार' का खेल! बिना लाइसेंस 10 साल से धड़ल्ले से चल रहा 'काऊ बॉय रोडियो' कैफे

चंडीगढ़/यूटर्न/27 अप्रैल। शहर के वीआईपी और हाई-सिक्योरिटी जोन माने जाने वाले सेक्टर-9 में पुलिस हेडक्वार्टर की नाक के नीचे एक कैफे में रोजाना खुलेआम हुक्के के छल्ले उड़ाए जा रहे हैं। जिस स्थान पर कानून व्यवस्था सबसे मजबूत होनी चाहिए, वहीं नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ती दिखाई दे रही हैं। सेक्टर-9 स्थित 'काऊ बॉय रोडियो' (Cow Boy Rodeo) कैफे में सोमवार से रविवार तक लगातार हुक्का परोसा जा रहा है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस कैफे के पास न तो एक्साइज विभाग का वैध लाइसेंस है और न ही फूड से संबंधित जरूरी अनुमति। इसके बावजूद यह कैफे पिछले करीब 10 वर्षों से बिना किसी डर के धड़ल्ले से संचालित हो रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यह कैफे पुलिस हेडक्वार्टर से महज 400 मीटर की दूरी पर स्थित है, फिर भी सेक्टर-3 थाना पुलिस की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ रही? या फिर सब कुछ देखने के बावजूद कार्रवाई जानबूझकर नहीं की जा रही? स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन हर बार कार्रवाई सिर्फ खानापूर्ति तक सीमित रही। कभी छोटा-मोटा चालान, तो कभी हल्की कार्रवाई कर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। यही वजह है कि यह कैफे वर्षों से बेखौफ होकर नियमों की अनदेखी करता आ रहा है। अब इस पूरे मामले का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। क्या सेक्टर-3 थाना पुलिस इस बार कोई सख्त कदम उठाएगी, या फिर पहले की तरह सिर्फ एक मामूली परचा काटकर मामले को रफा-दफा कर दिया जाएगा? सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या इस कैफे संचालक की स्थानीय थाना पुलिस से कोई 'सेटिंग' है, या फिर मामला कुछ और ही है? अगर नहीं, तो फिर इतने वर्षों से बिना लाइसेंस यह कारोबार आखिर किसके संरक्षण में चल रहा है? शहर में नशे और अवैध गतिविधियों पर सख्ती के बड़े-बड़े दावे करने वाली पुलिस के लिए यह मामला किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है। अब देखने वाली बात यह होगी कि कानून की रक्षा करने वाली एजेंसियां इस 'हुक्का हब' पर कब तक चुप्पी साधे रहती हैं।

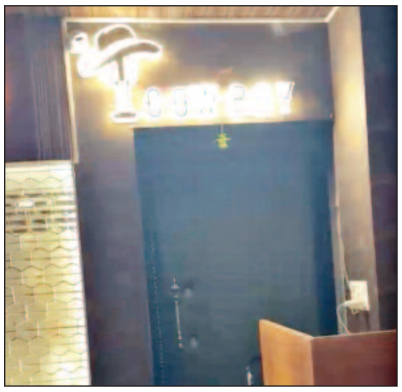

कांग्रेस नेता इंद्रजीत इंदी गिरफ्तार, सरकारी ड्यूटी में बांधा, मारपीट मामले में कार्रवाई की चर्चाएं

लुधियाना/यूटर्न/27 अप्रैल। लॉयस क्लब रोड निर्माण को लेकर कुछ दिन पहले कांग्रेस पार्टी की महिला पार्षद के पति नेता इंद्रजीत सिंह इंदी पर सरकारी ड्यूटी में बांधा, मारपीट और गाली गलौच के आरोप में मामला दर्ज हुआ था। चर्चा है कि इस मामले में पुलिस द्वारा धाराओं में इजाफा किया गया है। जिसके बाद इंद्रजीत इंदी को रविवार रात गिरफ्तार भी कर लिया है। हालांकि इस संबंध में अभी आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन शहर में लगातार यह मुद्दा चर्चा का विषय बना हुआ है। वहीं कांग्रेस पार्टी के लीडरों द्वारा भी अभी गिरफ्तारी संबंधी कोई बयान जारी नहीं किया है। जानकारी के अनुसार मंत्री संजीव अरोड़ा की और से लॉयस क्लब रोड का सग्गू चौक से हैबोवाल चौक तक निर्माण कराया जा रहा है। इस मामले में इंद्रजीत इंदी की और से मौके पर जाकर सरकार पर गलत तरीके से सड़क बनाने के आरोप लगाकर वीडियो बनाई थी। उन्होंने काम रुकवा दिया था। जिसके बाद मंत्री अरोड़ा की पत्नी द्वारा मौके पर जाकर काम का जायजा लिया गया और नियमों मुताबिक निर्माण करने के आदेश दिए थे। जिसके बाद सड़क निर्माण शुरू हुआ। लेकिन फिर देर रात इंदी मौके पर पहुंचे और सड़क बना रहे ठेकेदार के वर्करों को थप्पड़ मारे, मंत्री संजीव अरोड़ा का नाम देकर अश्लील शब्दावली प्रयोग की और फिर गालियां दी। जिसके बाद पुलिस ने निगम मुलाजिमों की शिकायत पर मामला दर्ज किया था। जिसके बाद इंदी की गिरफ्तारी हुई और उन्हें कोर्ट से जमानत मिल गई थी। लेकिन चर्चा है कि अब पुलिस ने मामले में धाराओं को बढ़ाया, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

विधायक कुलजीत रंधावा की अधिकारियों संग बैठक

जीरकपुर/यूटर्न/27 अप्रैल। हलका डेराबस्सी के विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने सोमवार को जीरकपुर नगर काउंसिल कार्यालय में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की। इस दौरान एसडीएम डेराबस्सी अमित गुप्ता भी मौजूद रहे। बैठक में इलाके के विकास कार्यों को गति देने और बिजली से जुड़ी समस्याओं के स्थायी समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान विधायक रंधावा ने पावरकॉम अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी हाल में अनधिकृत बिजली कटौती नहीं होनी चाहिए।

आई.ए.एस. गुरकंवल सिंह ने संभाला सहायक कमिश्नर (अंडर ट्रेनिंग) का पदभार

दलजीत अज्नोहा

होशियारपुर/यूटर्न/27 अप्रैल। 2025 बैच के आई.ए.एस. अधिकारी गुरकंवल सिंह ने आज जिला प्रशासनिक कांप्लेक्स में डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन की उपस्थिति में सहायक कमिश्नर (अंडर ट्रेनिंग) होशियारपुर के पद का कार्यभार संभाल लिया। गुरकंवल सिंह की यह पहली फील्ड पोस्टिंग है।

जालंधर जिले से संबंध रखने वाले गुरकंवल सिंह ने थापर यूनिवर्सिटी, पटियाला से सिविल इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त की है। उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से भारतीय प्रशासनिक सेवा में स्थान हासिल किया। उनके पिता सतपाल सिंह मुल्तानी रिटायर्ड सहायक आबकारी एवं कर कमिश्नर हैं, जबकि माता परमजीत कौर गृहिणी हैं।

पदभार संभालने के बाद गुरकंवल सिंह ने कहा कि वे डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन के नेतृत्व में पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता लाना, जन शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना तथा आम लोगों को बेहतर प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध करवाना होगी। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना उनकी जिम्मेदारी होगी और वे इस दिशा में पूरी मेहनत से कार्य करेंगे। इससे पहले डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन ने गुरकंवल सिंह को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी और उनके उज्ज्वल प्रशासनिक भविष्य की कामना की। इस अवसर पर सहायक कमिश्नर परमप्रीत सिंह, सहायक कमिश्नर गुरप्रीत कौर, गुरकंवल सिंह के माता-पिता तथा अन्य परिजन भी उपस्थित थे।

- पहली फील्ड पोस्टिंग पर बोले: जनसेवा, पारदर्शिता और प्रशासनिक दक्षता को देंगे प्राथमिकता

ट्रिनिटी कॉलेज लंदन परीक्षा में डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

लुधियाना/यूटर्न/27 अप्रैल। के डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, बी.आर.एस. नगर के विद्यार्थियों ने ट्रिनिटी कॉलेज लंदन द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्कूल का नाम रोशन किया है। विद्यालय ने छात्रों में संप्रेषण कौशल, आत्मविश्वास और रचनात्मकता विकसित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों को निरंतर बढ़ावा दिया है। इसी कड़ी में विद्यार्थियों ने यंग परफॉर्मेंस अवॉर्ड्स (PA) और ग्रेडेड एग्जामिनेशन इन स्पोकन इंग्लिश (GESE) में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। छात्रों ने 'सेव अर्थ', 'हेल्पिंग हैंड्स', 'स्टोरी नैरेशन' और 'हेल्दी हैबिट्स' जैसे विषयों पर नाट्य प्रस्तुतियां दीं, जिससे उनकी टीमवर्क और अभिव्यक्ति क्षमता में निखार आया। सभी प्रतिभागियों को उनके आत्मविश्वासपूर्ण मंच प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। GESE परीक्षा में शामिल 12 विद्यार्थियों में से 9 ने डिस्टिंक्शन और 3 ने मेरिट हासिल की, जो उनकी मेहनत और मार्गदर्शन का परिणाम है। विभिन्न कक्षाओं के छात्रों ने भी शानदार उपलब्धियां दर्ज कीं। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती जे. के. सिद्धू ने विद्यार्थियों और शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे मंच छात्रों के समग्र विकास में अहम भूमिका निभाते हैं और उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाते हैं।

एमसी चुनाव से पहले डेराबस्सी में सियासी हलचल तेज, वार्ड-12 की बैठक में बड़ा फैसला

डेराबस्सी/यूटर्न/27 अप्रैल। पंजाब में नगर परिषद (एमसी) चुनाव नजदीक आते ही डेराबस्सी में सियासी माहौल गमार्ने लगा है। इसी बीच वार्ड नंबर-12 की कॉलेज कॉलोनी और पीपीएल कॉलोनी में आयोजित एक अहम बैठक में लोगों ने चुनाव को लेकर बड़ा फैसला लिया। बैठक में बच्चों, महिलाओं, नौजवानों और बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी राय खुलकर रखी।

इस दौरान सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी एमसी चुनाव में वार्ड नंबर-12 से उम्मीदवार उनके अपने बीच से ही होगा। लोगों का कहना था कि वही व्यक्ति चुनाव लड़े जो कॉलोनी का निवासी हो, उनके सुख-दुख में साथ खड़ा रहता हो और इलाके की समस्याओं को भली-भांति समझता हो। निवासियों ने यह भी तय किया कि वे विभिन्न राजनीतिक दलों के संभावित उम्मीदवारों पर विचार जरूर करेंगे, लेकिन अंतिम रूप से अपने क्षेत्र के ही योग्य व्यक्ति को मैदान में उतारेंगे। बैठक में मौजूद लोगों ने कहा कि चाहे सरकार किसी भी पार्टी की बने, लेकिन उनका प्रतिनिधि वही होगा जो वार्ड के विकास कार्यों को प्राथमिकता देगा और जनता के साथ हमेशा खड़ा रहेगा। लोगों ने एक स्वर में कहा कि 'हमारे बीच से ही हमारा एमसी बनेगा' और जो व्यक्ति क्षेत्र के काम करवाने में सक्रिय रहेगा, वही उनका समर्थन हासिल करेगा। इस फैसले के बाद वार्ड-12 में चुनावी सरगर्मियां और तेज होने की संभावना है।

देवीनगर मोड़ पर शराब ठेके के विरोध में भड़के ग्रामीण

महिलाओं और विद्यार्थियों की सुरक्षा का हवाला देकर ठेका हटाने की मांग

डेराबस्सी/यूटर्न/27 अप्रैल। डेराबस्सी-अंबाला राष्ट्रीय मार्ग पर गांव देवीनगर को जाने वाले मोड़ पर नए शराब के ठेके के लिए अस्थायी शेड तैयार किए जाने की सूचना मिलते ही गांव में भारी रोष फैल गया। सोमवार को गुस्साए ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर एकत्र हुए और शेड के सामने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने विभाग और ठेकेदार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए काम को तुरंत बंद करने और ठेके को किसी अन्य स्थान पर शिफ्ट करने की मांग उठाई।

प्रदर्शन में शामिल गांव के पूर्व सरपंच गुरदीप सिंह, सुखविंदर सिंह, जसविंदर सिंह, कृष्ण सैनी, इकबाल लाली, संदीप सैनी और मनिंदर सिंह ने बताया कि गांव की मुख्य संपर्क सड़क के मोड़, जो राष्ट्रीय मार्ग के किनारे स्थित है, वहां ठेका खोलने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने इसे गांव के लिए गंभीर चिंता का विषय बताया।

ग्रामीणों के अनुसार, जिस स्थान पर ठेका प्रस्तावित है, वह रोजाना आवाजाही का प्रमुख केंद्र है। यहां से महिलाएं और छात्र-छात्राएं बसों और ऑटो का इंतजार करते हैं, जबकि यह स्थान मिनी बस स्टॉप के रूप में भी उपयोग होता है। इसके अलावा, पास स्थित अस्पताल के मरीज और उनके परिजन भी इसी मार्ग से आते-जाते हैं।

Rakul का सेक्सी-चार्मिंग अंदाज वायरल, ग्लैमरस लुक ने बढ़ाया इंटरनेट का तापमान

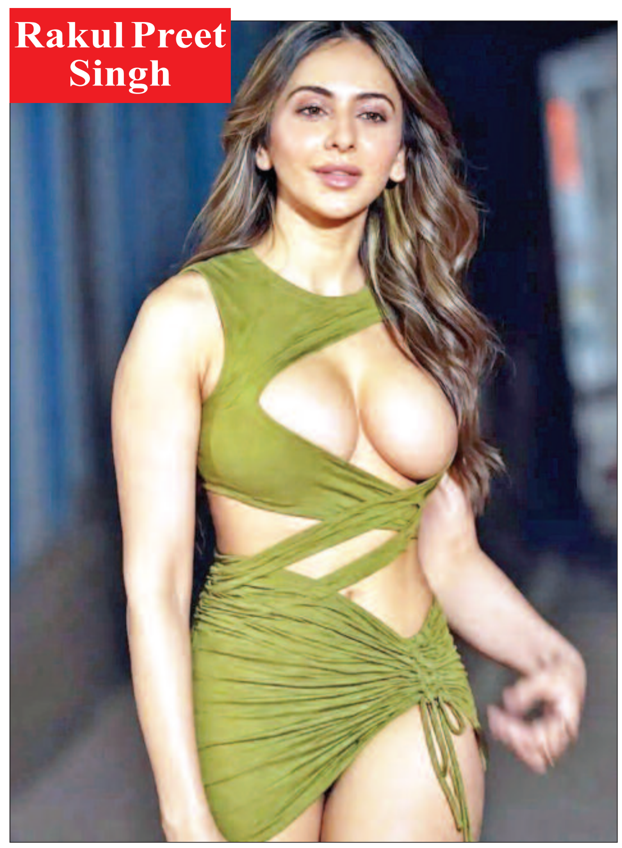

Rakul Preet Singh का सेक्सी और चार्मिंग अंदाज सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। उनका यह ग्लैमरस लुक फैंस के बीच जबरदस्त चर्चा का विषय बन गया है। स्टाइलिश आउटफिट और कॉन्फिडेंट पोज ने उनके इस अवतार को और भी खास बना दिया है। फैंस उनके इस बोल्ड अंदाज की जमकर तारीफ कर रहे हैं। गॉसिप गलियारों में चर्चा है कि Rakul जल्द ही किसी बड़े ग्लैम प्रोजेक्ट में नजर आ सकती हैं।

इमिग्रेशन ऑफिस में चले-लात घूंसे, युवक का सिर फोड़ा, कांच के गिलास से वार

जालंधर/यूटर्न/27 अप्रैल। जालंधर में इमिग्रेशन ऑफिस के अंदर स्टाफ और युवक के बीच हाथापाई हो गई। दोनों तरफ से लात-घूसे चले। युवक को कांच के गिलास से मारा गया, जिसके चलते वो बुरी तरह घायल हो गया। उसकी पगड़ी से खून बहता दिखा। झगड़े की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। वीडियो में हमलावर युवक का नाम मनिंदर लेता है। युवक इमिग्रेशन स्टाफ को पैसे देने की बात कहता सुनाई देता है। जिसपर स्टाफ और उसमें पहले बहस होती है फिर दोनों भिड़ जाते हैं। मामले की शिकायत बस स्टैंड पुलिस को शिकायत दे दी गई है। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों के बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

शिक्षा क्रांति के दावों की खुली पोल, धर्मशाला की शरण में 160 बच्चों का भविष्य

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/27/अप्रैल। पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार द्वारा शिक्षा के 'दिल्ली मॉडल' और 'शिक्षा क्रांति' के बड़े-बड़े दावों पर भाजपा ने कड़ा प्रहार किया है। भाजपा के जिला अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र शर्मा ने जगरांव के एक सरकारी स्कूल की बदहाली का हवाला देते हुए कहा कि सरकार पुराने स्कूलों को केवल रंग-रोगन कर अपनी पीठ थपथपा रही है, जबकि जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट और चिंताजनक है।

धर्मशाला में चल रहा है सरकारी स्कूल:-डॉ. शर्मा ने बताया कि जगरांव की पुरानी दाना मंडी स्थित मंदिर वाली धर्मशाला में पिछले एक साल से एक सरकारी प्राइमरी स्कूल चल रहा है। हैरानी की बात यह है कि शिक्षा विभाग के पास करीब 160 गरीब बच्चों को शिक्षा देने के लिए अपनी कोई जगह तक नहीं है। यह स्कूल पूरी तरह से जगरांव आढ़तिया एसोसिएशन के रहमो-करम पर निर्भर है।

118 साल पुराने ऐतिहासिक स्कूल की अनदेखी

भाजपा नेताओं ने इतिहास का हवाला देते हुए बताया: यह स्कूल वर्ष 1906 से पुरानी दाना मंडी के नेहरू मार्केट वाले गेट के ऊपर एक कमरे में चल रहा था। इमारत जर्जर होने के कारण समाजसेवियों ने एसडीएम को खतरे से आगाह किया था। हादसे के डर से एक साल पहले स्कूल को दो महीने के लिए अस्थायी रूप से धर्मशाला में शिफ्ट किया गया था।

विडंबना: दो महीने का वादा एक साल में बदल गया, लेकिन शिक्षा विभाग ने नई जगह या इमारत के लिए कोई प्रयास नहीं किया।

स्टाफ की कमी और चुनावी ड्यूटियों की मार स्कूल के दौरे के दौरान भाजपा नेताओं ने पाया कि कागजों में यहाँ 7 अध्यापक तैनात हैं, लेकिन:
2 अध्यापक बीएलओ (BLO) ड्यूटी पर हैं।
4 अध्यापकों की ड्यूटी जनगणना कार्य में लगी है।
मात्र एक-दो शिक्षकों के भरोसे ही पूरा स्कूल और 160 बच्चों का भविष्य टिका है।

सरकार पर तीखा हमला:-डॉ. राजेंद्र शर्मा ने मुख्यमंत्री भगवंत मान की सरकार को घेरते हुए कहा कि विज्ञापनों और 'शिक्षा क्रांति' के झूठे प्रचार पर करोड़ों खर्च करने के बजाय सरकार को बुनियादी सुविधाओं पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह मामला एसडीएम और स्थानीय विधायक के संज्ञान में होने के बावजूद सरकार गहरी नींद सो रही है।

'पुराने स्कूलों पर नया पेंट फेरने से शिक्षा का स्तर ऊँचा नहीं होता। अगर सरकार वाकई गंभीर है, तो इन 160 बच्चों को धर्मशाला से निकालकर एक सुरक्षित और स्थायी स्कूल की इमारत मुहैया करवाए।'
-डॉ. शर्मा, जिला अध्यक्ष, भाजपा।

इस अवसर पर उनके साथ मंडल अध्यक्ष नवनीत गुप्ता शिशु, महासचिव गौरव गुप्ता और सौरभ गर्ग सहित अन्य भाजपा नेता भी उपस्थित थे।

नाके पर पुलिस की बड़ी कामयाबी, चोरी की एक्टिवा समेत दो भाई गिरफ्तार

जीरकपुर में नाकाबंदी के दौरान खुलासा, तार चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

जीरकपुर/यूटर्न/27 अप्रैल। पुलिस द्वारा लगाए गए नाके के दौरान बड़ी सफलता हाथ लगी है। मैक डी के पास की गई चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक्टिवा पर सवार दो युवकों को शक के आधार पर रोककर पूछताछ की, जिसमें चोरी के मामलों का खुलासा हुआ। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास मौजूद थैले से बिजली की तारें बरामद हुई। जब पुलिस ने एक्टिवा के कागजात मांगे तो दोनों युवक कोई भी दस्तावेज पेश नहीं कर सके। इसके बाद सख्ती से पूछताछ करने पर उन्होंने कबूल किया कि एक्टिवा बलटाना क्षेत्र से चोरी की गई थी। आगे की जांच में आरोपियों ने यह भी स्वीकार किया कि वे डेराबस्सी इलाके में मोटरों की बिजली की तारें काटकर चोरी करते थे। पुलिस ने दोनों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। जांच अधिकारी एएसआई बलजीत सिंह के अनुसार, दोनों आरोपी सगे भाई हैं। इनमें राहुल (22) और बिट्टू (25) शामिल हैं, जो बलटाना के श्याम नगर के निवासी हैं। पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि दोनों के खिलाफ पहले भी चोरी और मारपीट के मामले दर्ज हैं, जिनकी पड़ताल की जा रही है। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि आरोपियों के साथ कोई अन्य साथी तो शामिल नहीं है और क्या ये किसी बड़े गिरोह का हिस्सा हैं।

एमसी चुनाव से पहले डेराबस्सी में सियासी हलचल तेज, वार्ड-12 की बैठक में बड़ा फैसला

डेराबस्सी/यूटर्न/27 अप्रैल। पंजाब में नगर परिषद (एमसी) चुनाव नजदीक आते ही डेराबस्सी में सियासी माहौल गरमाने लगा है। इसी बीच वार्ड नंबर-12 की कॉलेज कॉलोनी और पीपीएल कॉलोनी में आयोजित एक अहम बैठक में लोगों ने चुनाव को लेकर बड़ा फैसला लिया। बैठक में बच्चों, महिलाओं, नौजवानों और बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी राय खुलकर रखी।

इस दौरान सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी एमसी चुनाव में वार्ड नंबर-12 से उम्मीदवार उनके अपने बीच से ही होगा। लोगों का कहना था कि वही व्यक्ति चुनाव लड़े जो कॉलोनी का निवासी हो, उनके सुख-दुख में साथ खड़ा रहता हो और इलाके की समस्याओं को भली-भांति समझता हो।

निवासियों ने यह भी तय किया कि वे विभिन्न राजनीतिक दलों के संभावित उम्मीदवारों पर विचार जरूर करेंगे, लेकिन अंतिम रूप से अपने क्षेत्र के ही योग्य व्यक्ति को मैदान में उतारेंगे। बैठक में मौजूद लोगों ने कहा कि चाहे सरकार किसी भी पार्टी की बने, लेकिन उनका प्रतिनिधि वही होगा जो वार्ड के विकास कार्यों को प्राथमिकता देगा और जनता के साथ हमेशा खड़ा रहेगा।

सफाई सेवकों के आगे झुका प्रशासन; शहर जाम के बाद एड ने दिया लिखित भरोसा, संघर्ष खत्म

सियासी दखल पर भड़के कर्मी: विधायक के दबाव में 'मेट' लगाने के आदेश पर मचा था घमासान

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरावं/यूटर्न/27/अप्रैल। जगरांव नगर परिषद में पिछले कई दिनों से सुलग रही विवाद की चिंगारी सोमवार को उस समय बड़े धमाके में बदल गई, जब गुस्साए सफाई सेवकों ने शहर की मुख्य सड़क पर चक्का जाम कर दिया। सियासी दखलअंदाजी और तानाशाही रवैये के खिलाफ सफाई कर्मियों का गुस्सा इस कदर फूटा कि पूरे शहर की धड़कन रुक गई। घंटों तक ट्रैफिक जाम रहा और प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए। अंततः, कार्यसाधक अधिकारी (एड) को प्रदर्शनकारियों के बीच आकर लिखित आश्वासन देना पड़ा, जिसके बाद ही जाम खोला गया।

विवाद की जड़: विधायक का दबाव और अफसर के बदलते तेवर मामले की गहराई में जाने पर राजनीतिक खींचतान के गंभीर आरोप सामने आए हैं। सूत्रों के अनुसार, हल्का विधायक द्वारा अपने किसी करीबी व्यक्ति को 'मेट' नियुक्त करवाने के लिए कार्यसाधक अधिकारी पर लगातार दबाव बनाया जा रहा था। इस दबाव के चलते अधिकारी ने कई बार अपने फैसले बदले, जिससे सफाई सेवकों में भारी असंतोष फैल गया। कर्मियों ने इसे अपने अधिकारों पर सीधा हमला और खुला पक्षपात करार दिया।

प्रमुख मांग: सिफारिशी नहीं, हकदार को मिले काम:-संघर्ष कर रहे सफाई सेवकों का रुख साफ था। उनकी मांग थी कि:दफ्तरों में लंबे समय से तैनात सफाई सेवकों को ही फील्ड में सफाई के काम पर लगाया जाए। किसी भी तरह की राजनीतिक सिफारिश या धक्काशाही बर्दाश्त नहीं होगी। काम का बंटवारा न्यायसंगत और पारदर्शी तरीके से हो।

'यह केवल कर्मचारियों की जीत नहीं है, बल्कि सच, न्याय और हमारी अटूट एकता की जीत है। हम किसी भी सूरत में अपने अधिकारों के साथ खिलवाड़ नहीं होने देंगे।'
-सफाई सेवक यूनियन प्रतिनिधि

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372